



FACULTY OF LAW

Ankita Shrivastava

She Didn't Stop After LLB. She Specialised.

LLM Alumna
Highest Package – INR 33 LPA

LLM (Dual Specialisation)

Select Any Two

- Cyber Law
- Business & Corporate Law
- Intellectual Property Rights (IPR)
- Constitutional & Administrative Law
- Crime & Torts
- Labour Law



31st AUGUST 2026 IS THE LAST DATE TO GET ADMISSION

Intra Moot Court & Moot Court

Lecture Series from Eminent Jurists

Chhattisgarh Youth Parliament

Paid Internship Opportunities

POSH & Gender Justice Training

Global Conferences & Academic Events

Other Programs: BA LLB | BBA LLB | LLB

Why Choose Law?

The legal profession is one of the most reputed and rewarding careers in the world.

Your Career Options:

Litigation & Advocacy

Fight for justice in courts. Argue cases. Defend rights.

Judiciary & Public Service

Become a Judge, Magistrate, or Public Prosecutor.

Corporate Law

Advise MNCs. Draft contracts. Handle mergers & acquisitions.

Legal Advisor & Compliance

Work with governments, NGOs, and international organisations.

Civil Services

Constitutional understanding gives you an edge in UPSC.

Why Study at Kalinga University?

Because we provide the BEST Education.

- Practice in Our Moot Court
- Legal Aid & Pro Bono Club
- Expert Faculty
- Intellectual Development
- Supreme Court & High Court Internships
- Job Security & Financial Stability

We are Ranked as

“Top Leading Law School of Super Excellence in India 2026” by

competition success review



CLAT and LSAT scorecards are accepted

Our Top Law Recruiting Partners



+91-9907252100

Campus: Kalinga University, Kotni, Near Mantralaya, Naya Raipur – 492101, Chhattisgarh
City Office: 2nd Floor, Aditya Heights, Opp. Telibandha Talab, Raipur – 492001, Chhattisgarh
Bhilai Office: 111, Khichariya Complex, Opp. Domino's Pizza, Near Hotel Grand Dhillon, Bhilai

SCAN THE QR CODE

To Register for our Entrance Examinations

KALSEE/KAL-MAT



#Raipur9907252100



राष्ट्रीय अभियान

एक पेड़ माँ के नाम

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रीय अभियान में आरती ग्रुप की सहभागिता 3 वर्षों से

दिनांक : रविवार, 30 अगस्त 2026

समय : प्रातः 10:00 — शाम 5:00

स्थान : अशोका पाम मेडोज़, डुंडा, रायपुर



PROPERTY FEST
27th AUGUST ONWARDS

ASHOKA
PALM MEADOWS
APARTMENTS • PLOTS

ऑफर सीमित समय के लिए। जल्दी कीजिए।

सिर्फ

20%



दीजिए।
और आज ही
चाबी लीजिए।

अगले 18 महीने,
कोई PAYMENT
नहीं।



#BlueBanyan

पहली 100 बुकिंग्स पर लकी ड्रॉ

1st PRIZE
EV कार
₹30 लाख

2nd PRIZE
EV कार
₹20 लाख

3rd PRIZE
EV कार
₹10 लाख

4th, 5th, 6th
PRIZE EV टू-व्हीलर



हर बुकिंग पर एक लकी ड्रॉ कूपन

3 BHK • 2,000 SQ.FT
READY TO MOVE • CLUB HOUSE
SWIMMING POOL & 15+ AMENITIES



WELCOME TO
THE GREEN SIDE OF RAIPUR

Near Kamal Vihar, Dunda, Raipur
CALL 91 94 03 03 03

*नियम व शर्तें लागू।



PCGRERA280525001934
PCGRERA280818000726



चित्रकोट में प्रति सेकंड गिर रहा 20 लाख लीटर पानी

जगदलपुर। इंद्रावती नदी के उफान ने ऐतिहासिक चित्रकोट जल प्रपात की तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। जलप्रपात के 500 मीटर चौड़े मुहाने से हर सेकंड लगभग 20 लाख लीटर (2000 क्यूमेक्स) पानी नीचे गिर रहा है। इसे यदि समय के हिसाब से समझें तो जलप्रपात से प्रति मिनट 12 करोड़ लीटर पानी का विशाल प्रवाह नीचे की ओर टकरा रहा है। आमतौर पर अपनी 150 फीट ऊंचाई और 500 मीटर चौड़ाई के लिए पहचाना जाने वाला चित्रकोट जलप्रपात इन दिनों पानी के अति-प्रवाह से बिल्कुल अलग और रोढ़ रूप में नजर आ रहा है। जल स्तर इतना अधिक बढ़ चुका है कि प्रपात की मूल ऊंचाई छिप गई है और अब पानी महज 7 फीट की ऊंचाई से ही छलांग लगाता दिख रहा है। ►शेष पेज 6 पर

■ प्रति मिनट 12 करोड़ लीटर का प्रहार, 500 मीटर चौड़े मुहाने से गरज रही इंद्रावती

■ जल स्तर बढ़ा तो छिप गई 150 फीट की ऊंचाई, अब सिर्फ 7 फीट से छलांग लगा रहा पानी

सामान्य दिनों से 40 गुना अधिक पानी

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता वेद पांडे ने बताया कि चित्रकोट जलप्रपात में बारिश के मौसम में औसत जल प्रवाह 2000 क्यूमेक्स (20 लाख लीटर/सेकंड) तक पहुंच जाता है, जबकि गैर-बारिश के दिनों ►शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%)	₹118715/-
22 कैरेट रेट (91.60%)	₹144990/-
24 कैरेट रेट (99.99%)	₹158270/-

Live Rate आनंद ज्वेलर्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।

ANAND JEWELS
Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे उज्बेकिस्तान

ताशकंद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को उज्बेकिस्तान पहुंचे।



अपने दोस्तों के दौरान वह दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने ताशकंद हवाई अड्डे पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। यह प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा है।

बीती रात पुरानी रजिश् में दो युवकों के विवाद के बाद जमकर हुए पथराव और हंगामे के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर 100 से अधिक हमलावरों के खिलाफ हत्या के प्रयास, दंगा, तोड़फोड़ का जुर्म दर्ज कर लिया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

कलेक्टर, एसएसपी सहित अधिकारियों ने पूरे इलाके में किया पैदल मार्च

हरिभूमि न्यूज ►► बिलासपुर

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस की टीम हमलावरों की गिरफ्तारी में जुटी हुई है। विवाद के बाद दूसरे दिन पूरा इलाका पुलिस छावनी बना रहा, वहीं कलेक्टर, एसएसपी सहित अन्य अधिकारियों ने पूरे इलाके में पैदल मार्च कर हालात का जायजा लिया और शांति की अपील की। सिटी कोतवाली थाने में यदुनंदन नगर गौर कालोनी निवासी अक्षय सिंह ने रिपोर्ट लिखाई। 28 अगस्त की रात वह अपने दोस्त के साथ राखी बंधवाकर खपरगंज की ओर से जा ►►शेष पेज 6 पर



दूसरे जिलों से आई 300 बल

रात में बवाल के बाद रायपुर माना से 150 पुरुष, 50 महिला, छठवीं वाहनी रायगढ़ से 25, 11वहीं वाहनी जांजगीर से 25, 13 बटालियन बांगो कोरबा से 25, दूसरी वाहनी सकरी से 40, जांजगीर से 20, मुंगेली से 25 सहित साढ़े तीन बल शहर पहुंच गया था। इसके अलावा 250 जिले का बल कोतवाली थाना पहुंच गया था।

8 वाहनों में तोड़फोड़

दो गुटों के बीच विवाद के बाद उपद्रवी लोगों ने क्षेत्र में जमकर दहशतगर्दी मचाई। खपरगंज मरवाड़ी लाइन व गोलबाजार गली में लोगों के घरों के बाहर खड़ी 6 चार पहिया, 1 ई रिक्शा, दो बाइक में पथराव कर तोड़फोड़ की गई है। वहीं एक मकान में पत्थर मारकर खिड़की के ►►शेष पेज 6 पर

शांति व्यवस्था बनाए रखें

बीती रात दो गुटों के बीच मारपीट हुई। जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के द्वारा क्षेत्र में पत्थर मार किया गया है। कानून को हाथ में लेने वालों पर कड़ाई से कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तारी की प्रक्रिया चल रही है। लोगों से अपील है शांति व्यवस्था बनाए रखें।

-रामगोपाल गर्ग

आईजी

दो लोगों का विवाद

दो लोगों का व्यक्तिगत विवाद है। अनावश्यक गुटबाजी में परवर्तित किया गया है। प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। शनिवार को सुबह से पूरी दुकानें व मार्केट खुले हुए हैं, आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

-सुनील जैन

समाचार्युक्त

देवभोग पनीर 430 तो वचन और अमूल 400 रुपए किलो

एनालॉग पर पाबंदी का असर, पनीर के दाम बढ़े

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

मिल्क पावडर वाले एनालॉग पर लगे प्रतिबंध का असर अब दूध से बनने वाले पनीर की डिमांड और कीमत पर होने लगा है। पूछखरख बढ़ने की वजह से दुग्ध उत्पादक कंपनियों

■ स्थानीय स्तर पर बनाए जाने वाले पनीर की कीमत भी 40 से 50 रुपए तक बढ़ी

वचन के पनीर की कीमत 400 रुपए प्रतिकिलो हो गई है। स्थानीय स्तर पर बकाया जाने वाले पनीर की कीमत में भी 40 से 50 रुपए प्रतिकिलो तक बढ़ोतरी हुई है।

शासन ने एनालॉग पनीर पर 31 जुलाई को प्रतिबंध लगाया था, जिसके बाद दूध से बनाए जाने वाले पनीर की डिमांड बढ़ गई है। एनालॉग पनीर को सेहत के लिए नुकसान दायक माना गया था। पाबंदी के बाद स्थानीय कंपनियों में



समेत लोकल डेयरी संचालकों ने इसके दाम बढ़ा दिए हैं। देवभोग का पनीर अब 430 रुपए हो चुका है, वहीं अमूल और वचन के पनीर की कीमत 400 रुपए प्रतिकिलो हो गई है। स्थानीय स्तर पर बकाया जाने वाले पनीर की कीमत में भी 40 से 50 रुपए प्रतिकिलो तक बढ़ोतरी हुई है। शासन ने एनालॉग पनीर पर 31 जुलाई को प्रतिबंध लगाया था, जिसके बाद दूध से बनाए जाने वाले पनीर की डिमांड बढ़ गई है। एनालॉग पनीर को सेहत के लिए नुकसान दायक माना गया था। पाबंदी के बाद स्थानीय कंपनियों में

मक्का और कनकी के दाम बढ़े तो मुर्गी दाना महंगा, अंडों की लागत बढ़ी 25 फीसदी

चार रुपए से उत्पादन लागत हो गई पांच रुपए

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

एथेनाल के उपयोग के कारण कनकी और मक्के के दाम में भारी इजाफा हुआ है। इसका असर सीधे तौर पर पोल्ट्री कारोबार पर पड़ा है। इसके चलते मुर्गी दाने के दाम में भी 40 फीसदी से ज्यादा का इजाफा हो गया है। ऐसे में अंडों की उत्पादन लागत 25 फीसदी तक बढ़ गई है। पहले एक अंडे के उत्पादन की लागत करीब चार रुपए पड़ती थी, लेकिन अब इसकी लागत पांच रुपए तक पहुंच गई है। ऐसा होने से अब कभी भी अंडा चिल्लर में छह रुपए से कम में नहीं मिल पाएगा। पहले गर्मी में अंडों के दाम तीन से चार रुपए हो जाते थे, लेकिन अब यह संभव नहीं होगा।

एथेनाल के उपयोग के कारण गन्ना, शक्कर, कनकी और मक्के के दाम आसमान पर चले गए हैं। एथेनाल बनाने में आमतौर पर कनकी का उपयोग होता है। कनकी खाने वाले अब बहुत कम हो गए हैं, क्योंकि गरीबों को तो मुफ्त में चावल मिल जाता है। कनकी के दाम करीब पहले थोक में ►►शेष पेज 6 पर

मुर्गी दाना 32 से हो गया 46 रुपए

कनकी और मक्के के दाम बढ़ने के कारण मुर्गी दाना महंगा हो गया है। जो मुर्गी दाना पहले 32 रुपए किलो मिलता था, उसके दाम अब 46 रुपए हो गए हैं। मुर्गी दाना में 60 फीसदी कनकी और मक्के का उपयोग होता है, यही वजह है कि मुर्गी दाना महंगा हो गया है। पोल्ट्री कारोबारियों के मुताबिक मुर्गी दाना के साथ ही विटामिन के दाम में भी इजाफा हुआ है। जो विटामिन पहले 500 से 600 रुपए किलो मिलता था, उसके दाम डबल होकर 11 से 12 सौ रुपए हो गए हैं। यह विटामिन विदेशों से आता है। युद्ध के कारण इसके दाम बढ़े हैं।

महंगाई की मार

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एफडीए को लगाई फटकार अफसर खुद को भगवान समझते हैं...?

एजेंसी ►► मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने अधिकारियों को अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी भी दी। कोर्ट ने तल्लख टिप्पणी करते हुए पूछा कि क्या अफसर खुद को कोई भगवान समझते हैं, जो अपनी मर्जी से कुछ भी करने लगेंगे। जजों ने कहा कि मन्डर को मारने के लिए तलवार चलाने की कोई जरूरत नहीं होती है। कोर्ट ने कहा कि हम बार-बार अफसरों को समझाकर थक चुके हैं और अब कड़े फैसले सुनाने का वक़्त



आ गया है। कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि वे अदालत को संतुष्ट करें या फिर जेल जाने के लिए तैयार रहें। मामला मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन परिसर में मौजूद पांच रेस्टोरेंट के फूड लाइसेंस निर्वाचित करने से जुड़ा है। अदालत ने कहा कि विभाग ►►शेष पेज 6 पर

क्या है मामला

यह विवाद पिछले सप्ताह एफडीए द्वारा पांच लाइसेंस निर्वाचित किए जाने के बाद शुरू हुआ था। मंगलवार को हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने एफडीए कमिश्नर तुकाराम मुंदे की स्वच्छता संबंधी खामियों के खिलाफ कार्रवाई की सलाह दी थी। हालांकि, अदालत ने विभाग से कहा था कि उसे लगातार और एक समान तरीके से

►►शेष पेज 6 पर

सिप्ला के आदेश को लिया वापस

बंबई हाईकोर्ट की फटकार के बाद महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने सिप्ला फार्मा एंड लाइफ साइंसेज लिमिटेड की पुणे स्थित कैरी एंड फॉरवर्डिंग इकाई का दवा बिक्री लाइसेंस निरस्त करने का आदेश शनिवार को वापस ले लिया। कोर्ट ने नियामक से कहा कि उसने मामले में हद पार कर दी और अनमाने तरीके से कार्रवाई की। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रवींद्र गुणे और न्यायमूर्ति मोतम अखंड की पीठ ने कहा कि एफडीए की कार्रवाई 'प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों' के खिलाफ है। एफडीए ने कहा कि वह लाइसेंस रद्द करने का आदेश तत्काल वापस लेगा और कंपनी को नया कारण बताओ नोटिस जारी करेगा। ►►शेष पेज 6 पर

ANJANEYA UNIVERSITY

Why Waste a Year? Start Now.

Make this year count

Choose from career-focused programmes, industry exposure, scholarships and strong placement opportunities at Anjaneya University.

ADMISSIONS OPEN 2026-27

COMPUTER SCIENCE	ENGINEERING	LAW
ARTS & HUMANITIES	EDUCATION	FORENSIC SCIENCE
PHARMACY	SCIENCE	FILM MAKING
HOTEL MANAGEMENT	RESEARCH	JOURNALISM & MASS COM.
COMMERCE & MANAGEMENT	FASHION & INTERIOR DESIGNING	

Students placed at DELL HCL JINDAL STEEL & POWER IBM.	Highest Package ₹17.5 LPA	Students Placed 1,000+	Scholarships UP TO 100%
---	-------------------------------------	----------------------------------	-----------------------------------

88967 96788 | 88897 22225 | anjaneyauniversity.ac.in

हिमालय पर बढ़ता दबाव आपदाओं को आमंत्रण दे रहा है। जलवायु परिवर्तन ने इस आग में घी का काम किया है। लगातार बढ़ते वैश्विक तापमान की वजह से ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघल रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से पहाड़ों के ऊपर बर्फ की झीलों में पानी का दबाव अचानक बढ़ जाता है। जब ये प्राकृतिक झीलें टूटती हैं तो नीचे की घाटियों में तबाही का भयानक मंजर देखने को मिलता है। कमी पहाड़ों पर विनाशकारी भूस्खलन, कमी मैदानी इलाकों में भयानक बाढ़, कमी आग उगलती गर्म हवाएं और कमी अकाल जैसा सूखा; यह सब भीतर तक डराने वाला है। यदि प्राकृतिक जल निकासी और वर्षाजल प्रबंधन विकास की गति के साथ नहीं चलते, तो महंगा बुनियादी ढांचा भी बारिश के सामने असहाय दिखाई दे सकता है। हिमालयी शहरों में मैदानों के शहरी विकास मॉडल को ज्यों का त्यों लागू नहीं किया जा सकता। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय और पारिस्थितिक सीमाएं हैं। अनियंत्रित निर्माण, बढ़ता यातायात और प्राकृतिक ढलानों पर दबाव आपदा के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। पहाड़ों के लिए विकास का एक अलग मॉडल बनाने की सख्त जरूरत है। पर्यटन को भी तुरंत नियंत्रित करने की आवश्यकता है ताकि पहाड़ों पर उतनी ही भीड़ जाए, जितनी वह आसानी से सहन कर सके। ***इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

फड़फड़ाने लगा है भोले का तीसरा नेत्र



विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

हिमालय साफ-साफ चेतावनी दे रहा है कि अगर हमने विकास के नाम पर उसकी अस्मिता से, उसकी पहचान से छेड़छाड़ बंद नहीं की तो पूरे परिवेश के लिए भयावह त्रासदियों से मुक्ति का प्रश्न ही नहीं उठता। पुल बनाने, रेल मार्ग बिछाने, पर्यटन के ना-नए आयाम एवं नई-नई संभावनाएं तलाश करने के लोभ में हमने निरंतर हिमालय की पहचान पर संकट खड़े किए हैं। चीन को सीमा क्षेत्रों में नए रेलमार्ग बिछाने, नए पुल बनाने, हवाई पट्टियां बनाने की कोई विशेष आवश्यकता नहीं थी। सिर्फ सीमा-सुरक्षा के नाम पर पहाड़ों को घाव देने की कोई ऐसी जरूरत नहीं थी जिसके लिए डायनामाइट एवं बारूदी सुरंगों के जाल बिछाए जाते। चीन की सीमावर्ती-चुनौतियों का सामना करने के लिए उसी क्षेत्र में सड़कों, रेलों व अन्य यातायात साधनों के जाल बिछाने की आपातकालीन जरूरत हमें भी महसूस होने लगी। स्थितियां इतनी भयावह हो चुकी हैं कि तथ्यों का सही-सही आकलन कर पाना भी संभव नहीं रहा। चेतावनियां पिछले साढ़े तीन दशकों से चेता रही हैं। 1998 में उत्तराखण्ड के मालया क्षेत्र में हुई तबाही, वर्ष 2000 में तिब्बत में आई विनाशकारी बाढ़, वर्ष 2005 में पाश्च-नदी की विभीषिका, जून 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की चमोली त्रासदी, इन सबकी खुली अपेक्षा करते हुए चीन, नेपाल, भारत और तिब्बत आदि में बड़ी-बड़ी योजनाएं बनती रही। अब नई सूचना यह है कि 189 नई झीलें बन चुकी हैं। स्थिति यह है कि अब तिब्बत-नेपाल क्षेत्रों में सैकड़ों की संख्या में झीलें बन चुकी हैं। सभी में लेशियरों के पिछलाव का जल ठाठें मारने लगा है। एक झील में आए प्रकोप ने इतना हिला दिया तो आने वाले ऐसे अनेक संकटों का सामना कैसे होगा, इसके लिए सांझा प्रयास करने की दिशा में सोचा भी नहीं जा रहा है। अभी तो लार्शें ढोने, घायलों को बचाने, लापता लोगों की तलाश करने से भी फुर्सत नहीं मिल पा रही।

विकास की अंधी दौड़

जब अमरनाथ का शिवलिंग पिघलने लगा तो कैलाश पर विराजमान भोले शंकर का भी तीसरा नेत्र फड़फड़ाने लगा, इधर नेपाल में विराजे भोले पाशुपतिनाथ भी नाजान होने लगे। सवाल यह है कि इस प्रकोप से बचा कैसे जाए? हिमालय केवल पथरों और बर्फ से बना कोई निर्जीव ढांचा नहीं है, बल्कि यह इस उपमहाद्वीप की धड़कन है। सदियों से यह हमारा रक्षक रहा है, जीवनदायिनी नदियों का उद्गम और हमारी आस्थाओं का केंद्र रहा है।आज आए दिन पहाड़ों के दरकने, बाढ़ल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ की खबरें हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन गई हैं। प्रकृति का यह रौद्र रूप अकारण नहीं है। सच तो यह है कि हमने अपने ही रक्षक पर इतना भार लाद दिया है कि अब वह हांपने लगा है। हिमालय पर बढ़ता यह दबाव अब सीधे तौर पर विनाशकारी आपदाओं को आमंत्रण दे रहा है। अगर हम गहराई से सोचें तो समझ आएगा कि पहाड़ों के साथ हमारा रिश्ता अब श्रद्धा का नहीं बल्कि उपभोग का हो गया है। विकास की अंधी दौड़ में हमने यह गुला दिया कि हिमालय दुनिया की सबसे युवा पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। जब हम इन नाजुक पहाड़ों का सीना चीकर चोटी सड़कों बनाते हैं, रेलवे के लिए लंबी सुरंगें खोदते हैं और बिजली के लिए विशालकाय बांध बनाते हैं तो हम अनजाने में पहाड़ की नींव को खोखला कर रहे होते हैं।

डायनामाइट के धमाके सिर्फ चट्टानों को नहीं तोड़ते बल्कि वे पहाड़ के उस प्राकृतिक संतुलन को भी चकनाचूर कर देते हैं जो लाखों सालों की खमोशी में बना है। पहाड़ों के सीने में सुरक्ष करके जो मलबा निकाला जाता है, उसे अक्सर बिना किसी योजना के नदियों के किनारे डाल दिया जाता है। बरसात के दिनों में यही मलबा नदियों के प्रवाह को रोकता है और फिर नदियां अपना रास्ता बदलकर बस्तियों की ओर रूख कर लेती हैं। यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है, यह पूरी तरह से इंसानों द्वारा रची गई एक त्रासदी है जिसमें हमने खुद ही विनाश के बीज बोए हैं। इसके साथ ही पर्यटन के नाम पर जो भीड़ हम पहाड़ों की तरफ धकेल रहे हैं, वह भी इस समस्या का एक बहुत बड़ा कारण है। छुट्टियां मनावे के लिए पहाड़ों का रूख करना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन हर जगह की अपनी एक वहन क्षमता होती है जिसे हम कैरिग केपेसिटी कहते हैं। आज पहाड़ों के छोटे-छोटे कस्बों में कंक्रीट के विशाल होटलों का जंगल उग आया है। जहां कमी दलान पर देवदार और बुरांश के पेड़ हुआ करते थे, वहां आज बहुमंजिला इमारतें खड़ी हैं। ये भारी मरकम इमारतें पहाड़ की दलान पर एक ऐसा बोझ हैं जिसे उठाने के लिए वह बना ही नहीं है। इसके अलावा पर्यटकों की भीड़ अपने साथ जो प्रदूषण और प्लास्टिक का कचरा लाती है, वह नदियां और प्राकृतिक जल स्रोतों का गला घोट

रहा है। जलवायु परिवर्तन ने इस आग में घी का काम किया है। लगातार बढ़ते वैश्विक तापमान की वजह से हिमालय के ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघल रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से पहाड़ों के ऊपर बर्फ की झीलों में पानी का दबाव अचानक बढ़ जाता है। जब ये प्राकृतिक झीलें टूटती हैं तो नीचे की घाटियों में तबाही का ऐसा मंजर देखने को मिलता है जिसकी कल्पना भी इंसान की रूढ़ कंपा देती है। बारिश के पेटर्न में भी भयानक बदलाव आया है। अब हप्तों तक रिमझिम बारिश होने के बजाय कुछ ही घंटों में इतना पानी बरस जाता है कि पहाड़ उसे सोख नहीं पाते और मिट्टी कटकर नीचे बहने लगती है। यही वजह है कि बाढ़ल फटने और अचानक भयानक बाढ़ आने की घटनाएं आम हो गई हैं। जोशीमठ जैसी घटनाएं कोई अचानक हुआ हादसा नहीं थी बल्कि ये दशकों से पहाड़ों पर किए जा रहे अत्याचार का दुखद परिणाम है। जब जमीन धंसती है, पुराने घरों में दरारें आती हैं और लोगों को अपने पुरखों के घर छोड़कर रातों-रात राहत शिविरों में जाना पड़ता है तो वह सिर्फ एक भौगोलिक घटना नहीं होती। वह एक गहरा मानवीय संकट होता है। लोग अपनी आंखों के सामने अपनी जीवन भर की पुंजी, अपनी यादें और अपना भविष्य मिटते हुए देखते हैं। पहाड़ों में रहने वाले सीधे-सादे लोग विकास की इस मनमानी कीमत को सबसे ज्यादा चुका रहे हैं।

इंसानों ने रची यह त्रासदी

हिमालय के पिघलते ग्लेशियर

पर्यावरण के अनुकूल तकनीक अपनाएं



मंथन

दिनेश शर्मा ‘दिनेश’

वरिष्ठ स्तंभकार

प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता सदियों पुराना है, किंतु समय के साथ मनुष्य की बदलती जीवन शैली से बदली प्राकृतिक परिस्थितियों से यह रिश्ता एक नाजुक मोड़ पर आकर खड़ा हो गया है। आज मानव और प्रकृति दोनों का ही अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। पिछले कुछ वर्षों में हमने अनेक भयानक प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया है। कभी पहाड़ों पर विनाशकारी भूस्खलन, कभी मैदानी इलाकों में भयानक बाढ़, कभी आग उगलती गर्म हवाएं और कभी अकाल जैसा सूखा; यह सब भीतर तक डराने वाला है। यह कोई कुदरती कहर नहीं है बल्कि प्रकृति की गंभीर चेतावनी है जो हमें चीख-चीख कर कह रही है कि अब रुक जाओ! इन बढ़ती आपदाओं के पीछे का सबसे बड़ा कारण हमारा अंधा और अनियंत्रित विकास है, जिसने पर्यावरण की कीमत पर सिर्फ कंक्र्रीट के जंगल खड़े किए हैं। आज समूची मानव जाति के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर विकास और पर्यावरण के बीच एक स्थायी संतुलन कैसे कायम किया जाए।

हम समय के पहिए को नहीं रोक सकते और न ही विकास की प्रक्रिया से थुंह मोड़ सकते हैं। बढ़ती आबादी के लिए घर, स्कूल, अस्पताल, चौड़ी सड़कें और रोजगार के नए साधन मुहैया कराना किसी भी सरकार और समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जब हम विकास की अंधी दौड़ में पहाड़ों को डायनामाइट से उड़ाकर सड़कें बनाते हैं, नदियों के स्वाभाविक रास्तों को रोककर ऊंचे बांध बनाते हैं या हरे-भरे जंगलों को रातों-रात साफ करके कारखाने लगाते हैं तो हम अनजाने में ही अपने विनाश की कहानी लिख रहे होते हैं। विकास का मतलब कभी भी विनाश नहीं हो सकता। हम एक पेड़ काटते हैं तो सिर्फ लकड़ी का एक टुकड़ा नहीं गिरता, बल्कि बेजुबान पक्षियों का घर उजड़ता है, शीतल छांव खत्म होती है और वह जड़ें मर जाती हैं जो मिट्टी को कसकर बांधे रखती हैं। पर्याप्तस्वरूप जंग-सी



हमें एक ऐसा मार्ग खोजना है, जहां नदियां भी अपने स्वच्छ स्वरूप में बहें और कल-कारखाने भी चलें, जहां पहाड़ भी अपनी जगह अडिग रहें और उन तक पहुंचने के सुरक्षित रास्ते भी बनें, जहां सुबह चिड़ियों की चहचहाहट भी गुंजे और तकनीक का सकारात्मक इस्तेमाल भी हो।

इसे विज्ञान की भाषा में पर्यावरण की वहन क्षमता कहते हैं। अगर किसी पहाड़ या जंगल की क्षमता सी लोगों का बोझ उठाने की है और हम अपने लालच में वहां हजार लोगों के लिए बड़े-बड़े होटल और सड़कें बना दें तो कुदरत का संतुलन बिगड़ना और आपदा आना तय है।

हमें पर्यावरण के अनुकूल तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए। उदाहरणतया, भवन निर्माण में ऐसी सामग्री का उपयोग हो जो कम से कम कार्बन उत्सर्जन करे और ऊर्जा की अधिकतम बचत करे। हमें कोयले और पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधनों पर अपनी निर्भरता तेजी से कम करनी

होगी। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाकर हम हवा में घुलने वाले जहर को काफी हद तक कम कर सकते हैं। इसके साथ ही नदियों को बांधने और उनके रास्ते बदलने के बजाय हमें जल संरक्षण के पारंपरिक और प्राकृतिक तरीकों की ओर लौटना होगा। प्राकृतिक जंगलों को बचाना संतुलन का सबसे अहम और जीवंत हिस्सा है।

विकास की नीति वातानुकूलित कमरों में बैठकर सिर्फ नक्शों पर नहीं बननी चाहिए, बल्कि उन लोगों से संवाद करके बननी चाहिए जो



स्वरूप

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

शहर केवल इमारतों, सड़कों और बाजारों का समुह नहीं होते, वे किसी देश की आर्थिक गति, सामाजिक परिवर्तन और आधुनिक जीवन की आकांक्षाओं के केंद्र होते हैं। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर सुविधाओं की तलाश में निरंतर बढ़ती आबादी शहरों की ओर आकर्षित हो रही है। परिणामस्वरूप शहरीकरण आज विकास की स्वाभाविक प्रक्रिया बन चुका है। समस्या शहरीकरण से नहीं, बल्कि अनियोजित और प्रकृति-विरोधी शहरीकरण से है। जब शहर अपनी भौगोलिक और पर्यावरणीय क्षमता की अनदेखी कर फैलने लगते हैं, जलाशयों पर निर्माण होने लगता है, हरित क्षेत्र कंक्र्रीट में बदल जाते हैं और आबादी के अनुपात में नागरिक सुविधाएं विकसित नहीं होतीं, तब विकास स्वयं संकट का कारण बनने लगता है। भारत के कई बड़े शहर इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। देश के प्रमुख कॉरपोरेट केंद्रों में गिना जाने वाला गुरुग्राम अत्याधुनिक कार्यालयों, गगनचुंबी इमारतों और एक्सप्रेस-वे के कारण आधुनिक शहरी विकास का चेहरा दिखाई देता है, लेकिन भारी वर्षा के दौरान सड़कों और अंडरपासों में जलभराव उसकी दूसरी तस्वीर प्रस्तुत करता है। यह विरोधाभास बताता है कि चमकदार निर्माण और वास्तविक शहरी मजबूती दो अलग-अलग बातें हैं। यदि प्राकृतिक जल निकासी और वर्षाजल प्रबंधन की गति के साथ नहीं चलते, तो महंगा बुनियादी ढांचा भी बारिश के सामने असहाय दिखाई दे सकता है।

यही स्थिति अलग-अलग रूपों में दूसरे महानगरों में भी सामने आती रही है। मुंबई ने बार-बार भीषण वर्षा और शहरी बाढ़ का सामना किया है। समुद्र तटीय स्थिति, अत्यधिक वर्षा और घनी आबादी के साथ प्राकृतिक जल निकासी तंत्र पर दबाव इस महानगर की संवेदनशीलता बढ़ाता है। इन उदाहरणों का अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक शहरी बाढ़ केवल अतिक्रमण या खराब नियोजन का परिणाम

है। जलवायु परिवर्तन के कारण कम अवधि में अत्यधिक वर्षा जैसी घटनाओं को चुनौती भी बढ़ रही है। यही नई जलवायु वास्तविकता शहरों से अधिक मजबूत नियोजन की मांग करती है। यदि बारिश का स्वरूप बदल रहा है तो दशकों पुराने वर्षाजल निकासी मानकों के भरोसे भविष्य के शहर नहीं चलाए जा सकते। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली इस चुनौती का एक दूसरा पक्ष दिखाती है। एक ओर मानसून में जलभराव और यमुना के बढ़ते जलस्तर से बाढ़ का खतरा सामने आता है, तो दूसरी ओर गर्मियों में अत्यधिक तापमान और



विकास की असली कसौटी गगनचुंबी इमारतों की ऊंचाई नहीं, बल्कि यह होगी कि शहर असाधारण बारिश, बाढ़, भीषण गर्मी और अन्य आपदाओं के बीच अपने नागरिकों को कितना सुरक्षित रख पाता है। शहर यदि प्रकृति के साथ विकसित होंगे, तभी शहरीकरण वास्तव में सतत विकास का माध्यम बन

होट वेव गंभीर संकट बन जाती है। अर्थात एक ही शहर को बाढ़ और भीषण गर्मी दो विपरीत प्रकार की जलवायु आपदाओं के लिए तैयार करना पड़ सकता है। इसलिए अब शहरी आपदा प्रबंधन किसी एक संभावित संकट के आधार पर नहीं, बल्कि बहु-आपदा दृष्टिकोण से तैयार किया जाना चाहिए। बढ़ता शहरी तापमान स्वयं एक गंभीर चुनौती है। हरित क्षेत्रों में गिरावट, एयर कंडीशनरों का बढ़ता इस्तेमाल और वाहनों तथा उद्योगों से निकलने वाली ऊष्मा स्थिति को और गंभीर बनाती है। पहाड़ि शहरों की चुनौती इससे अलग, लेकिन उतनी ही गंभीर है। जोशीमठ में भू-धंसाव

जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा। भविष्य में आवश्यकता ऐसे शहर बनाने की है जो केवल बड़े और आधुनिक न दिखें, बल्कि सुरक्षित, समावेशी, पर्यावरण-संवेदी और आपदा-रोधी भी हों। विकास की असली कसौटी गगनचुंबी इमारतों की ऊंचाई नहीं, बल्कि यह होगी कि शहर असाधारण बारिश, बाढ़, भीषण गर्मी और अन्य आपदाओं के बीच अपने नागरिकों को कितना सुरक्षित रख पाता है। शहर यदि प्रकृति के विरुद्ध नहीं, प्रकृति के साथ विकसित होंगे, तभी शहरीकरण वास्तव में सतत विकास का माध्यम बन सकेगा।

प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर चलना जरूरी



चुनौती

डॉ. विनंद्र कुमार

स्वतंत्र

जलवायु परिवर्तन की समस्या एक गंभीर वैश्विक संकट है। यह संकट अभी हमें चाहे ना दिखाई दे लेकिन मानव सभ्यता के लिए यह एक गंभीर चुनौती है। प्रकृति हमेशा से मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र और पालक रही है, लेकिन हाल के वर्षों में हमने इसका रौद्र रूप भी बार-बार देखा है। कभी जंगलों में धधकती आग बेजुबान जानवरों को लील जाती है तो कभी समुद्र में उठने वाले भयंकर तूफान पल भर में तटीय बस्तियों को उजाड़ देते हैं। यह सब देखकर मन में एक सहज सा सवाल उठता है कि क्या यह सब बस यूं ही हो रहा है या इसके पीछे हमारी अपनी कोई भूल है। इससे भी बड़ा यह सवाल मन में बार-बार उठता है कि क्या जलवायु परिवर्तन आने वाले समय में हमारे लिए इससे भी बड़ी और भयंकर विपत्तियां ला सकता है। इस सवाल का जवाब ढूढ़ने के लिए हमें भविष्य के किसी वैज्ञानिक मॉडल को देखने या बहुत दूर जाने की जरूरत नहीं है। हमारे आसपास का बदलता हुआ मौसम खुद इसका जीता जागता गवाह है। जिस जलवायु परिवर्तन को हम कुछ दशक पहले सिर्फ विज्ञान की भारी-भरकम किताबों या वैश्विक सम्मेलनों का विषय मानते थे, वह आज हमारे घर के दरवाजे तक दस्तक दे चुका है। बेमौसम की भारी बारिश, सर्दियों के महीनों में कम होती ठंड, और गर्मियों में झुलसा देने वाली लंबी लू, ये सब प्रकृति की खुली चेतावनी हैं। जब कोई आपदा आती है तो वह सिर्फ ईंट-पत्थर की इमारतें या कंक्रीट के पुल नहीं तोड़ती, बल्कि वह इंसानों के संजोए हुए सपने, उनकी जीवन भर की गाढ़ी कमाई और उनके बच्चों का भविष्य भी उजाड़ देती है। वैज्ञानिक लगातार पूरी दुनिया को चेता रहे हैं कि प्रृथ्वी का तापमान जिस तेजी से बढ़ रहा है, वह बहुत ही अस्वाभाविक और खतरनाक है। हमारे द्वारा किए जा रहे अंधाधुंध औद्योगीकरण, बेतहाशा जंगलों की कटाई, पहाड़ों के सीने को चीरकर किए जा रहे अनियोजित निर्माण और लगातार बढ़ते कार्बन उत्सर्जन ने धरती के प्राकृतिक संतुलन को बुरी तरह से बिगाड़ दिया है। अगर यही स्थिति बनी रही तो इसमें कोई संदेह नहीं कि आने वाला समय वाकई बहुत डरावना होगा। जैसे-जैसे पृथ्वी और गर्म होगी, ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघलेंगे और समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा। इसका सीधा मतलब यह है कि दुनिया भर के कई तटीय शहर, महानगर और छोटे-छोटे द्वीप हमेशा के लिए पानी में समा सकते हैं। जरा सोचिए, ज़ब लाखों करोड़ों लोग एक साथ बेघर होंगे तो उन्हें हम कहा बसायेंगे। आने वाले समय में प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता और उनकी संख्या दोनों में बेतहाशा वृद्धि होने की पूरी आशंका है। जो चक्काती तूफान पहले दस या बीस सालों में एक बार आते थे, वे अब हर साल आने की ज्यादा ताकतवर होकर आते हैं से टकरा सकते हैं। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने के

कारण शुरुआत में तो नदियां में भयानक बाढ़ आएंगी, जो अपने रास्ते में आने वाले हर गांव और शहर को डुबो देंगी, लेकिन बाद में जंग ये बर्फ के पहाड़ पूरी तरह खसम हो जाएंगे तो वही सड़कीनी नदियां सूख जाएंगी। इससे पीने के पानी और सिंचाई के लिए एक ऐसा भयंकर संकट खड़ा होगा जिसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। जलवायु परिवर्तन केवल एक पर्यावरण का या विज्ञान का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक बहुत बड़ा मानवीय, सामाजिक और आर्थिक संकट है। जब एक जगह का तापमान बढ़ता है तो उसका असर पूरी दुनिया के मौसम चक्र पर पड़ता है। यह एक भयंकर वेन रिफ्लेशन की तरह है। जंगलों में लहने वाली भीषण आग की घटनाएं इसका एक बड़ा उदाहरण हैं। जब जंगल जलते हैं तो न सिर्फ लाखों बेजुबान जानवर तड़प-तड़प कर मारे जाते हैं, पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां नष्ट हो जाती हैं, बल्कि भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड वापस वातावरण में छुल जाता है, जो धरती की गर्मी को और ज्यादा बढ़ा देता है। इसी तरह, आर्कटिक जैसे ठंडे इलाकों में सर्दियों से जमीं हुई बर्फ के पिघलने से वहां दबी हुई मिथेन जैसी खतरनाक गैसें बाहर आ सकती हैं। अगर ऐसा हुआ तो ग्लोबल वार्मिंग इतनी तेजी से बढ़ेगी कि उसे रोकना फिर इंसान की तकनीकों और वश के बाहर हो जाएगा। हमारे देश के लिए यह खतरा और भी बड़ा है। एक तरफ हमारे पास विशाल हिमालय है तो दूसरी तरफ एक बहुत लंबी तटरेखा। अगर जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून का चक्र इसी तरह बिगड़ता रहा, कभी बहुत ज्यादा बारिश या कभी बिस्कुल सूखा पड़ा तो हमारी खाद सुरक्षा पर सीधा प्रहार होगा। पहाड़ जो कभी अपनी स्थिरता के लिए जाने जाते थे, वे आज दरक रहे हैं। हमने अपने स्वार्थ में अंधी दौड़ लगाते हुए प्रकृति को बहुत गहरे घाव दिए हैं, लेकिन प्रकृति एक मां की तरह है, जिसमें खुद को और अपने बच्चों को ठीक ठीक करने की अद्भुत क्षमता होती है, बशर्ते हम उसे ऐसा करने का मौका और समय दें। हमें एक ऐसा रास्ता चुनना होगा जिसमें तरक्की तो हो, लेकिन जंगलों और नदियों की बलि देकर नहीं। जलवायु परिवर्तन कोई ऐसी आसमानी आपदा नहीं है जो किसी दूसरे यह से अचानक हमारे ऊपर आ गिरी हो। यह हमारी अपनी पैदा की हुई विपत्ति है। इसलिए इसका समाधान भी हमें ही करना होगा। हम आज जान जाते, अपने लालच को किनारे रखकर प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर चलना सीख लें तो शायद हम अपनी आने वाली

जब कोई आपदा आती है तो वह सिर्फ ईंट-पत्थर की इमारतें या कंक्रीट के पुल नहीं तोड़ती, बल्कि वह इंसानों के संजोए हुए सपने, उनकी जीवन भर की गाढ़ी कमाई और उनके बच्चों का भविष्य भी उजाड़ देती है। पृथ्वी का बढ़ रहा तापमान बहुत ही अस्वाभाविक और खतरनाक है।

खेल अलंकरण में 82 खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को मिला राज्य खेल अलंकरण, पांच टीमों के 43 खिलाड़ियों-प्रशिक्षकों को मुख्यमंत्री ट्रॉफी



राज्य खेल अलंकरण समारोह में 126 खिलाड़ी-प्रशिक्षक सम्मानित

रायपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शनिवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय ओडिटरियम में राज्य खेल अलंकरण समारोह-2026 का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री किष्णु देव साय और केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू के साथ जनप्रतिनिधि एवं खेल जगत से जुड़े लोग भी शामिल हुए। इस अवसर पर वर्ष 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26 के लिए प्रदेश के 126 उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किया गया। समारोह में सम्मानित खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। वक्ताओं ने कहा कि इन खिलाड़ियों की मेहनत और उपलब्धियों ने छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के 540 खिलाड़ियों के खातों में नकद पुरस्कार राशि का अंतरण भी किया। इस अवसर पर कहा गया कि राज्य सरकार प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर अवसर और सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार काम कर रही है।



परसा-केते कोयला खदान में घुसा दंतैल, मची अफरा-तफरी



अंबिकापुर। विकासखंड उदयपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत परसा-केते में संचालित राजस्थान विद्युत मंडल की कोयला खदान में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक दंतैल खदान क्षेत्र में पहुंच गया। वन अमले की कड़ी मशक्कत के बाद दंतैल खदान से निकलकर जंगल की ओर चला गया। इसके बाद खदान में काम कर रहे कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। दल से भटका एक दंतैल लंबे समय से उदयपुर क्षेत्र के जंगलों में विचरण कर रहा है। बीती रात दंतैल कोयला खदान से लगे फागोरिया जंगल में मौजूद था। दंतैल की मौजूदगी की सूचना मिलने पर वन विभाग और एलिफेंट ट्रेकर टीम के सदस्य उसकी निगरानी कर रहे थे। रात करीब 2 बजे बारिश के दौरान दंतैल अचानक नहरों से ओझल हो गया। उसके घने जंगल की ओर जाने की आशंका को ►►शेष पेज 6 पर

नक्सलवाद खत्म, नेताओं की घट सकती है सुरक्षा गृहमंत्री ने कहा-हम समीक्षा करेंगे



हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर-जगदलपुर

छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को खत्म हुए करीब पांच महीने हो चुके हैं। अभी भी 100 से अधिक जन प्रतिनिधियों की सुरक्षा में सैकड़ों जवान लगे हुए हैं। इनमें से 40 जन प्रतिनिधि ऐसे हैं जिनकी सुरक्षा में भारी-भरकम जवान तैनात हैं। अब नेताओं की सुरक्षा हटाने या कम करने पर विचार किया जा रहा है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने भी कहा कि नक्सलवाद खत्म हो चुका है तो अब सुरक्षा को लेकर समीक्षा की जाएगी। हटाने या कम करने या यथावत रखने का निर्णय समीक्षा के बाद ही लिया जाएगा। इस मामले को लेकर अधिकारियों ने कहा कि नक्सल विरोधी ऑपरेशन के लिए जरूरी बल बस्तर में बना रहेगा, लेकिन नेताओं को मिले अतिरिक्त सुरक्षा घरे की अलग से समीक्षा होगी। सुरक्षा समीक्षा का अर्थ सभी नेताओं से सुरक्षा वापस लेना नहीं होगा। जिन जनप्रतिनिधियों के खिलाफ अभी भी गंभीर ►►शेष पेज 6 पर

समीक्षा के बाद निर्णय

बस्तर में नक्सल गतिविधियों लगभग खत्म होने के बाद वहां के नेताओं की सुरक्षा को लेकर समीक्षा की जाएगी। उसके बाद ही सरकार कोई फैसला लेगी। - विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री, गृहमंत्री

सुरक्षा की जरूरत के हिसाब से होगा पुनर्मूल्यांकन

सूत्रों के अनुसार, बस्तर संग्राम के विभिन्न जिलों में राजनीतिक नेताओं, पूर्व जनप्रतिनिधियों और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों को उपलब्ध कराई जा रही सुरक्षा का नए सिरे से आकलन किया जा रहा है। जिन नेताओं को नक्सली खतरे के कारण लंबे समय से अतिरिक्त सुरक्षा उपलब्ध कराई गई थी, उनके खतरे का वर्तमान स्तर देखा जाएगा। सुरक्षा समीक्षा में खतरे की प्रकृति, क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों की स्थिति, संबंधित व्यक्ति की वर्तमान राजनीतिक भूमिका और उसकी आवाजगही जैसे पहलुओं को आधार बनाया जा सकता है। सुरक्षा कम होने की स्थिति में जवानों को पुलिस की नियमित ड्यूटी, कानून-व्यवस्था और अन्य सुरक्षा अभियानों में लगाया जा सकेगा।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

एक खिलाड़ी के भीतर जब त्याग, समर्पण और लक्ष्य के प्रति जुनून पैदा हो जाता है, तो सफलता की राह अपने आप बनने लगती है। फिर परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों न हों आर्थिक तंगी हो या खेल सुविधाओं का अभाव, हौसले के आगे हर चुनौती छोटी पड़ जाती है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न खेलों में प्रदेश और देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों की कहानी भी कुछ ऐसी ही है।

18 किमी साइकिल, रस्सी का सहारा और उधारी का बल्ला...फिर भी चमके छत्तीसगढ़ के लाल

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

अलंकृत खिलाड़ियों ने हरिभूमि से बातचीत में अपने संघर्ष, चुनौतियों और सफलता के सफर के अनुभव साझा किया। इन खिलाड़ियों ने बताया कि कहीं संसाधनों की कमी आई आई तो कहीं आर्थिक चुनौतियां ने रास्ता रोका। बावजूद इसके खिलाड़ियों ►►शेष पेज 6 पर



गाइड रनर की कमी बनी चुनौती, आज एशियन गेम्स के ट्रायल तक पहुंचा

महासमुंद्र जिले के रहने वाले सुखदेव को पेरा एथलेटिक्स में शहीद कौशल यादव पुरस्कार मिला है। सुखदेव ने वर्ष 2022 में तैयारी शुरू की। आज वह बंगलुरु के साई में रहकर ट्रेनिंग कर रहे हैं। उनका सपना सिर्फ दौड़ना नहीं, बल्कि भारत के लिए मंडल जीतकर देश का नाम रोशन करना है। सुखदेव ने बताया कि वे टी-11 कैटेगरी के पैरा-एथलीट हैं। इस कैटेगरी में खिलाड़ी पूरी तरह ►►शेष पेज 6 पर

नेपाल जलप्रहार : मलबे में अपनों को ढूंढ रहे परिजन

अब तक 675 मौतें, 2000 लापता, चार भारतीयों का रेस्क्यू, 287 की तलाश

एजेंसी ►► काठमांडू/नई दिल्ली

तलाश एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी रहने के दौरान, प्रभावित सभी आठ जिलों से शव बरामद किए गए। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार नेपाल में बचाव दलों ने शनिवार को अभियान के चौथे दिन लगभग 2,500 फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकाल लिया। बचाव अभियान के लिए 11,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है, जिनमें 5,000 से अधिक नेपाली सेना के जवान शामिल हैं। इधर, अभिनेता अमिताभ बच्चन ने नेपाल में आई भीषण बाढ़ पर गहरा दुख और चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि तबाही का यह मंजर देखना असहनीय है। बच्चन ने लिखा, प्रकृति के प्रकोप से कभी मुकाबला नहीं किया जा सकता... उसके आगे नतमस्तक होने के लिए ईश्वरीय शक्ति की उपस्थिति जरूरी है। हम प्रार्थना ►►शेष पेज 6 पर

मध्य नेपाल में और शव बरामद होने के बाद अचानक आई बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 675 हो गई है, जबकि आपदा के बाद लगभग 2,000 लोग अब भी लापता हैं। राहत और बचाव अभियान के बीच भारत ने चार और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचाया है। इस बीच, कई लोग मलबे के नीचे अपने परिजनों की तलाश कर रहे हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी कर लौटे 28 श्रद्धालु

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल गए आठ प्रदेश के 28 श्रद्धालु यात्रा पूरी करने के बाद सुरक्षित लौट आए हैं। यात्रा के दौरान वे अचानक आई बाढ़ में फंस गए थे। तिरुपति स्थित एक निजी ट्रेवल एजेंसी के प्रबंध निदेशक पी. वेक्टरमण ने बताया कि समूह भारत से काठमांडू पहुंचा था और चीनी चीजा मिलने में देरी के कारण उन्हें करीब तीन दिन इंतजार करना पड़ा। सुरक्षित तिरुपति पहुंच गया हूं। हमारी कुशलता के बारे में पूछने और हमारी सुरक्षा को लेकर चिंता जताने वाले सभी लोगों का धन्यवाद।

30 देशों के लापता नागरिकों की तलाश कर रही कई टीमें

भारत के कई पर्यटकों ने सुरक्षित स्वदेश वापसी के बाद राहत की



इधर, बाढ़ में बहकर आए बैंक के सेफ पर डाका, 29 गिरफ्तार

बाढ़ में बहकर आए बैंक के सेफ को तोड़कर उसमें से रकम निकालने के आरोप में नेपाल पुलिस ने 29 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह घटना धादिंग जिले के त्रिशूली नदी क्षेत्र में हुई, जहां भीषण बाढ़ के दौरान एक बैंक का सेफ पानी में बहकर आ गया था। गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से 92 लाख 68 हजार 505 नेपाली रुपये नकद बरामद किए गए हैं। यह पूरी कार्रवाई नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल की संयुक्त टीम ने मिलकर की।

तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी

हरिभूमि न्यूज़ ►► तखतपुर/लोरमी

रक्षाबंधन पर बुआ को उसके गांव छोड़कर लौट रहे तीन युवकों के दोपहिया वाहन को तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना तखतपुर थाना क्षेत्र की जुनापारा चौकी अंतर्गत ग्राम जुनापारा में लोरमी-कोटा मुख्य मार्ग पर हुई। पुलिस ने मामले को विवेचना में लिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम कठमूड़ामाल निवासी पंकज गोंड (25) की बुआ रक्षाबंधन पर लोरमी के पास ग्राम भारतपुर से उसके पिता लाल सिंह गोंड को राखी बांधने आई थीं। रक्षाबंधन ►►शेष पेज 6 पर

तीन युवकों को ट्रक ने कुचला, तीनों की मौत

रक्षाबंधन पर बुआ को गांव छोड़कर लौट रहे थे युवक



हेलमेट नहीं पहना था

हादसे के समय तीनों युवकों ने हेलमेट नहीं पहना था। दुर्घटना में उनके शरीर गंभीर रूप से क्षत-विक्षत हो गए। पुलिस और प्रशासन की ओर से लगातार हेलमेट पहनने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन इसके बावजूद लोग यातायात नियमों को गंभीरता से नहीं लेते। यदि दोपहिया वाहन सवारों में से किसी ने हेलमेट पहना होता तो संभव है कि उसकी जान बच जाती।

घर से एक किन्नी पहले हुआ हादसा

बताया गया कि बुआ को भारतपुर छोड़कर लौट रहे युवकों का घर हादसा स्थल से महज एक किलोमीटर दूर था। घर पहुंचने से कुछ ही दूरी पहले तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी जिंदगी छीन ली।

एफएसएसआई ने की बड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) ने मानकों के उल्लंघन पाए जाने के बाद एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और लालजी गोधू एंड कंपनी के हींग पाउडर बेचने पर रोक लगा दी है। नियामक ने शनिवार को यह जानकारी दी। खाद्य नियामक एफएसएसआई ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स और लालजी गोधू एंड कंपनी के हींग पाउडर उत्पाद घटिया गुणवत्ता के पाए गए थे। इसके बाद इनकी हींग पाउडर बिक्री पर रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। एफएसएसआई ने एवरेस्ट के मामले में ►►शेष पेज 6 पर

एवरेस्ट और लालजी के हींग पाउडर बैन

एफएसएसआई का बड़ा फैसला



मानकों पर नहीं उतरे खरे

एफएसएसआई ने कहा कि लालजी गोधू को भी हींग पाउडर बेचने से रोक दिया गया है। नियामक ने कहा, मिश्रित हींग (पाउडर और टुकड़े) के नमूने विधायित मानकों पर खरे नहीं उतरे। ये नमूने गलत बाइंडिंग वाले और घटिया गुणवत्ता के भी पाए गए। एफएसएसआई ने कहा कि मिश्रित हींग बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली कच्ची हींग की किस्मों में अधिक मात्रा में स्टार्च पाया गया।



हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

मरने के बाद भी नहीं मिटा रिश्तखोरी का दाग, पत्नी ने लड़ी अदालती लड़ाई

हरिभूमि न्यूज़ ►► बिलासपुर

हाईकोर्ट के जस्टिस एनके व्यास के सिंगलबेंच ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के लगभग 24 साल पुराने एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने रिश्त लेने के मामले में दोषी ठहराए गए लोकसेवक की अपील को खारिज करते हुए निचली अदालत के सजा के आदेश को सही ठहराया है। सरकारी कर्मचारी पर नौकरी के दौरान लगा रिश्तखोरी का दाग उसके मरने के बाद भी नहीं मिट पाया। हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई दौरान ►►शेष पेज 6 पर



निचली अदालत का फैसला बरकरार

अपील के लंबित रहने के दौरान 22 जून 2014 को मुख्य आरोपी की मृत्यु हो चुकी थी इसलिए उनके विधिक वारिसों द्वारा इस अपील का संवाहन किया गया। अदालत ने अपील में उठाए गए सभी तर्कों को खारिज करते हुए कहा कि निचली अदालत का निर्णय पूरी तरह से साक्ष्यों और कानून के अनुकूल है। कोर्ट ने किमिनल अपील खारिज करते हुए निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा है।

होटल की कुर्की कार्रवाई के खिलाफ याचिका खारिज

एक अन्य मामले में छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय इंडी की कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिका को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवीन्द्र अगवाल की डिवीजन बेंच ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि जांच एजेंसी के पास पर्याप्त सामग्री मौजूद है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को डिब्रूगढ़ और संकम अग्रेसरिटी के सामने अपना पक्ष रखने की छूट दी है। जांच के बाद ►► शेष पेज 6 पर

पैसे की कमी आई आइ तो माता-पिता ने संभाला मोर्चा अब सम्मान ने बढ़ाया हौसला



खेलने के लिए पैसे जुटाना हुआ था मुश्किल

भूपेन्द्र के खेल जीवन का सबसे खास पड़ाव 2022 रहा, जब उन्हें भारत के लिए खेलने का मौका मिला। लेकिन देश के लिए खेलने की खुशी के साथ आर्थिक चुनौती भी सामने थी।

भूपेन्द्र कुमार गढ़े की कहानी भी संघर्ष, परिवार के सहयोग और खेल के प्रति समर्पण की ऐसी ही कहानी है। वे पिछले करीब 17 वर्षों से सॉफ्टबॉल खेल रहे हैं। भूपेन्द्र ने बताया कि सॉफ्टबॉल की शुरुआत के दिनों में सबसे बड़ी चुनौती खेल के उपकरण जुटाने की थी। सॉफ्टबॉल के बेट और ग्लव्स महंगे होने के कारण उन्हें खरीदना आसान नहीं था। ऐसे में मैदान पर खेलने वाले खिलाड़ी मिलकर पैसे जमा करते थे और जरूरत के उपकरण खरीदते थे। उनके अनुसार ►►शेष पेज 6 पर

घर से 18 किलोमीटर साइकिल चलाकर पहुंचती थीं ट्रेनिंग सेंटर

दुर्ग की मोनिका साहू को तलवारबाजी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शहीद राजीव पांडेय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मोनिका ने वर्ष 2014 में तलवारबाजी की शुरुआत की थी। खेल के प्रति जुनून तो था, लेकिन प्रशिक्षण केंद्र घर से करीब 18



किलोमीटर दूर था। यह दूरी उनके लिए बड़ी चुनौती थी, लेकिन उन्होंने इसे अपने सपने के रास्ते में बाधा नहीं बनने दिया। मोनिका ने बताया कि उन्होंने उसी समय तय कर लिया था कि तलवारबाजी में आगे बढ़ना है। इसके बाद कई वर्षों तक वह साइकिल चलाकर 18 किलोमीटर दूर स्थित ट्रेनिंग सेंटर जाती रहीं और नियमित रूप से अभ्यास करती रहीं। आर्थिक और पारिवारिक परिस्थितियां भी आसान नहीं थीं। उनकी मां अंगनवाड़ी में कार्य करती हैं, जबकि उनके पिता का बिच हो चुका है। ऐसे में परिवार की जिम्मेदारियों के नीचे खेल के लिए समय और संसाधन जुटाना उनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। मोनिका का सपना देश के लिए तलवारबाजी में खेलना था। वह कहती हैं, जितना मैंने अपने खेल को दिया, उससे कहीं ज्यादा सफलता मुझे मिली है। इसलिए 18 किलोमीटर साइकिल चलाकर ट्रेनिंग के लिए जाना मेरे जीवन का सही निर्णय था।

[🗳️] तरकश

सीएम का रातोरात दिल्ली विजिट

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय गुरुवार की रात शार्ट विजिट पर दिल्ली गए। वे रात करीब नौ बजे दिल्ली पहुंचे और एयरपोर्ट से सीधे बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के घर रवाना हो गए। रात 10 बजे उनकी राष्ट्रीय अध्यक्ष से मीटिंग तय हुई थी। उसके बाद सीएम चंद्र घंटे छत्तीसगढ़ सदन में रैस्ट किए, फिर रायपुर वापसी के लिए सुबह पौने चार बजे एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। सीएम के कुछ घंटे की इस दिल्ली विजिट के बाद सूबे में सियासी अटकलों का पाया गरम हो गया है। कुछ लोग इसे नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति से जोड़ रहे हैं। बता दें, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव अस्वस्थ चल रहे हैं। सो उनकी जगह नया अध्यक्ष या कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने की अटकलें तेज हैं। तो दूसरी तरफ सीएम के दिल्ली विजिट को मंत्रिमंडल की सर्जरी से जोड़कर भी देखा जा रहा। जाहिर है, बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के बाद छत्तीसगढ़ के मंत्रिपरिषद में फेरबदल की संभावनाएं जताई जा रही थी। अब चूकि नितिन नवीन की टीम का ऐलान हो गया है, सो राजनीतिक पंडितों का मानना है, पार्टी छत्तीसगढ़ के मंत्रिमंडल में कुछ नए चेहरों को शामिल कर सकती है। खैर, ये चर्चाएं हैं। बंद कमरे में नितिन नवीन और सीएम के बीच क्या बातें हुईं, ये उन दोनों को ही पता होगा।

कलेक्टर-एसपी, अलग राहें

कलेक्टर कॉफ्रेंस में हर बार कलेक्टर, एसपी में समन्वय की बातें दुहराई जाती है...एक-डेढ़ साल पहले एक सिकेट्री टू सीएम ने कलेक्टर-एसपी को व्हाट्सएप कर ताकीद भी की थी...समन्वय बनाकर रहें, दोनों साथ में जिले का दौरा करें। मगर आलम यह है कि कई जिलों में कलेक्टर-एसपी अलग-अलग अपनी डफली बजा रहे। सरगुजा और बस्तर के कुछ जिलों में ऐसा भी सुनने में आ रहा, कलेक्टर के साथ दौरे में जाने की बात दूर, एसपी उनसे मिलने से भी कतराते हैं। तो कुछ कलेक्टर ऐसे हैं, जो कप्तान को बेटेज नहीं देते। जीएडी और गुह विभाग को इसे देखना चाहिए, वरना ऐसे में प्रशासनिक व्यवस्था कैसे चलेगी।

बीजेपी और लीकेज

संगठन को लेकर कभी बेहद कमिटेड रहने वाले बीजेपी के भीतर की बातें आजकल बाहर लीक होने लगी है। बल्कि, अपना औरा कायम करने कुछ बातों को जानबूझकर लीक कराई जा रही। ठीक कांग्रेस की तरह। हाल के दिनों में कई ऐसी घटनाएं हुईं, जिसकी सूचना विरोधी पार्टी तक पहुंच गई और उसने मीम्स बनाकर मौज ले लिया। बहहाल, सूचनाएं लीक होने से बीजेपी के नेता नाखुश हैं। पिछले हफ्ते मीटिंग में एक पदाधिकारी ने यहां तक कह दिया कि पार्टी हमारी मां है, और उसके साथ गद्दारी नहीं होनी चाहिए।

ईमानदारी की सजा

ईरीगेशन में गजबे खेला चल रहा है। 2500 करोड़ की सिकासेर सिंचाई परियोजना में एसई ने यह आब्जेक्शन लगाया कि बिना मंत्रिपरिषद के अनुमोदन के 1.3 डी शर्त क्यों जोड़ दी गई। इसके तहत सिर्फ 5000 करोड़ के टर्नओवर वाली कंपनी ही इस टेंडर में क्वालिफाई कर सकती थी। पता चला है, टेंडर में 1.3 ए की अनुमति कैबिनेट से ली गई, जिसमें टेंडर की सामान्य शर्तें होती हैं। मगर बाद में उसमें 1.3 डी जोड़ दिया गया, ताकि पसंदीदा पार्टी को टेंडर दिया जा सके। मंत्रालय के ईरीगेशन डिपार्टमेंट में बैठे एक्सपर्ट एसई ने खेल समझ आपत्ति लगा दी। मगर ईनएस सी ऑफिस ने अगले दिन ही उन्हें मंत्रालय से बुलाकर एक्सपर्ट का काम वापिस ले लिया। अब इसमें दो प्वाइंट बेहद महत्वपूर्ण हैं। एक तो सुनने में आ रहा कि ईरीगेशन के अफसरों ने उपर के लोगों को डार्क में रखकर कुछ दस्तखत करा लिए। और दूसरा इन-सी ऑफिस में बैठे कुछ अधिकारियों के तार कहीं और जुड़े हुए हैं...जहां से सारे अपडेट बाहर पहुंचाए जा रहे हैं। इसे विपक्ष के चुनावी तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है। अब पता नहीं, इंटरलर्जेंस या सिस्ट्रम के रणनीतिकारों को इसकी भनक है या नहीं। मगर ये तय है कि वहां कुछ बड़ा पक रहा है, जो आगे जाकर सिस्ट्रम के लिए मुसीबत बनेगा। क्योंकि, मामला 2500 करोड़ का जो है।

...और भी डेपुटेशन

छत्तीसगढ़ के लिए यह अच्छी बात है कि इस समय भारतीय वन सेवा में 80 परसेंट से अधिक अफसर आईआईटी, एनआईटी और बीआईटी वाले हैं। मगर उनके साथ हाई लक यह है कि इन दिनों जिस तरह अच्छे आईएएस अधिकारियों को कलेक्टर बनाने में प्राविर्टी दिया जा रहा, उस तरह फॉरेस्ट में नहीं हो रहा। इससे आप समझ सकते हैं...सूबे में इस समय सबसे कम जंगल वाला कोई डिविजन है तो वो है रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, जांजगीर और मुंगेली। इन सभी में आरआर याने डायरेक्ट आईएफएस अफसरों को डीएफओ बनाया जा रहा और मनेंद्रगढ़, कटघोरा, अंबिकापुर, धर्मजयगढ़, धमतरी, महासमुंद, बलौदा बाजार जैसे बड़े बजट वाले डिविजनों में प्रमोटी आईएफएस अफसरों को पोस्ट किया जा रहा। ऐसे में, आने वाले समय में कुछ और आईआईटीयन आईएफएस डेपुटेशन पर चले जाएं तो हैरानी नहीं होगी।

पद दरोगा का, काम सिपाही का

पुलिस में बरसों बाद सिर्फ पुलिस मुख्यालय से संबंद्धित इतनी बड़ी लिस्ट निकली...एक झटके में 31 आईपीएस अधिकारियों के विभाग बदल गए। आधा दर्जन से अधिक अधिकारी ढाई साल से हॉसिंस पर थे, या बिना विभाग के...सबको कुछ-न-कुछ दिया गया। अलबत्ता, लिस्ट देखकर लगता है, देने वाले ने मुड़ी खोलकर फिर बांध ली। कई अफसरों को उनके वेतन और योग्यता के अनुसार जिम्मेदारी नहीं दी गई। एक तो 50 लाख से अधिक वेतन देकर उन्हें ठलहा बिठाकर रखा गया और अब ढाई साल बाद दायित्व देने का फैसला किया तो ऐसा हुआ...जैसे दरोगा से सिपाही का काम लेना।

पोस्टिंग का रिकार्ड

आखिरकार डीजी पवनदेव का विभाग बदला। उन्हें डीजी होमगाई और फायर ब्रिगेड बनाया गया है। पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन में वे छह साल 10 महीने चेयरमैन कम मैनेजिंग डायरेक्टर रहे। पुलिस हाउसिंग का ये रिकार्ड तो है ही, आईएएस, आईपीएस, आईएफएस में कोई भी इतने लंबे समय तक एक पद पर नहीं रहा। डीजीपी अमरनाथ उपाध्याय और चीफ सिकेटी अमिताभ जैन को अपवाद रूवरूप छोड़ दें तो बहुत हुआ तो तीन, साढ़े तीन साल में पोस्टिंग बदल जाती है। अमरनाथ और अमिताभ भी चार और पांच साल रहे। बट पवनदेव ने ऐसा रिकार्ड बना दिया, जिसे भविष्य में टूटने की संभावना बहुत कम नजर आती है।

चेयरमैन कौन?

रिकार्ड पारी खेलकर पवनदेव पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन से विदा हो गए। उनकी जगह शिवाम प्रसाद कल्लुरी को बिठाया गया है। मगर गुह विभाग ने आदेश निकालने में कल्लुरी के साथ डंडी मार दी। उन्हें सिर्फ एमडी याने प्रबंध निदेशक बनाया गया है। जबकि, यह कंपनी लां प्कृत में बना कारपोरेशन है, इसमें चेयरमैन को पोस्टिंग जरूरी है। कल्लुरी को सिर्फ एमडी बनाने के पीछे क्या मंशा है, ये अभी पता नहीं चला है। मगर इससे पहले एकाध बार ऐसा हुआ है कि इस कारपोरेशन में एमडी की पोस्टिंग हुई और डीजीपी को चेयरमैन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। अब देखना है, गुह विभाग इस बार क्या करना चाहता है।

बैकफुट पर मिनिस्टर!

छत्तीसगढ़ के शिक्षक संगठन टेट याने टीचर एजिबिलिट टैस्ट से इतने घबरा गए कि जेन जी की तरह स्कूल बंद करने की सीधी चेतावनी दे डाली। अलबत्ता, इस टैस्ट में आखिर 150 में 90 अंक ही तो लाना था। मात्र 60 परसेंट। फिर सुप्रीम कोर्ट का आदेश है, 2019 से पहले जिनने टेट क्लियर नहीं किया, उन्हें पात्रता हासिल करनी होगी, वरना प्रमोशन नहीं होगा। चूकि जेन जी का दौर है...देश के अलग-अलग राज्यों से स्कूलों को लेकर आंदोलन-मार्च की खबरें आ रही। लगता है, इसको देखते स्कूल शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों को दुखी करना उचित नहीं समझा। ताजा अपडेट है, उन्होंने शिक्षकों के लिए विभागीय टेट आयोजित करने का भरोसा दिया है। यद्यपि, मंत्रीजी भी सिस्ट्रम में रिकार्म करना चाहते हैं, इसलिए व्यापम से परीक्षा कराने पर अड़े हुए थे। मगर जब देखे कि कोई सपोर्ट नहीं मिलने वाला... ठीकरा उनके माथे ही फूटेगा, इसलिए उन्होंने सरेंडर कर दिया। अब जैसे स्कूलों में होम एग्जाम होते हैं...शिक्षकों की इच्छा के अनुरूप उसी तरह अब टेट हो जाएगा। यानी सब पास। मास्टर साब लोग भी खुश और स्कूल शिक्षा विभाग भी खुश। जाहिर है, व्यापम अगर एग्जाम लेता तो मामला जरा कठिन हो जाता। बता दें, सुप्रीम कोर्ट ने टेट परीक्षा उन शिक्षकों के लिए अनिवार्य किया है, जो शिक्षाकर्मों के तौर पर बिना किसी परीक्षा प्रक्रिया के भर्ती हुए हैं। और बाद में उनका शिक्षक कैडर में संविलियन हो गया।

अंत में दो सवाल आपसे?

- वो कौन से अफसर हैं, जो ट्रांसफर के बाद कार्यमुक्त होने से पहले कई करोड़ के चेक काट दिए?
- सीएसआईडीसी ने मंडी बोर्ड से कागजों में बिना जमीन हस्तांतरित हुए जेम एंड ज्वेलरी पार्क का टेंडर कैसे किया, और सिंगल पार्टी को प्रदान भी कर दिया?

इंडी ने शराब घोटाला, नली लॉनड्रिंग मामले में की थी कार्रवाई

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले और मनी लॉनड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ईंडी की कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिका को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवीन्द्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि जांच एजेंसी के पास पर्याप्त सामग्री मौजूद है।

हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को ट्रिब्यूनल और सक्षम अथॉरिटी के सामने अपना पक्ष रखने की ह्ट दी है। जांच के बाद ईंडी ने घोटाले के 110 करोड़ रुपए से गोवा में खरीदे गए लजरी होटल को कुर्क किया था। इसी कार्रवाई के खिलाफ कारीबारी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। नई दिल्ली निवासी डॉ. राहुल अग्रवाल और मेसर्स पॅसिफिक होटल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने बिलासपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं ने ईंडी के 28 मई 2026 के प्रोविजनल अटैचमेंट

आर्डर को रद्द करने की मांग की थी। इस आदेश के तहत नार्थ गोवा के अंजुना स्थित फाइव स्टार द वेस्टिन होटल को अपराध की आय से अर्जित संपत्ति मानते हुए कुर्क किया गया था। होटल की कीमत 110 करोड़ रुपए आंकी गई है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आयकर विभाग की ओर से टैक्स के उद्देश्य से किसी नकदी को हिसाब में मान लेने मात्र से वह पीएमएलए के तहत अपराध की आय की जांच से मुक्त नहीं हो जाी। दोनों कानूनों का दायरा, उद्देश्य और कानूनी कसौटियां अलग-अलग हैं। हाईकोर्ट ने आदेश में कहा कि प्रोविजनल अटैचमेंट से होटल के नियमित संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा है। होटल पहले की तरह चल रहा है न कि कोई कमरा बंद हुआ है और न ही किसी कर्मचारी को हटया गया है। डिवीजन बेंच ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता को ट्रिब्यूनल या सक्षम अथारिटी के समक्ष अपना पक्ष रखने की ह्ट दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का छत्तीसगढ़ से गहरा नाता रहा है

सीएम साय बोले- केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में सेवा संकल्प अभियान की कार्यशाला में कहा, प्रदेश के सभी कार्यक्रमताओं को इस अभियान के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम करना है। पिछले वर्षों में नरेंद्र मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक नक्सलवाद का प्रभावी सफाया रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पुरानी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा, राज्य निर्माण के समय नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रभारी थे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के प्रत्येक जिले का सघन दौरा कर संगठन को मजबूती दी थी। यही कारण है कि उनका छत्तीसगढ़ से बहुत पुराना और अटूट नाता है। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी वे निरंतर राज्य के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं स्वीकृत कर रहे हैं। श्री साय ने कहा, नक्सलवाद से मुक्ति के बाद अब बस्तर सहित पूरे वनांचल क्षेत्र के वनवासियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। जो लोग नक्सल प्रभाव के कारण विकास की मुख्यधारा से कटे हुए थे, उन्हें अब बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और उन्नत जीवनशैली का अधिकार मिल रहा है। श्री साय ने वरिष्ठ भाजपा नेता शिवप्रकाश को लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री का दायित्व मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं।

13 प्रमुख कार्यक्रम होंगे
भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने संगठनात्मक विषय पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। भाजपा प्रदेश महामंत्री और कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक यशवंत जैन ने आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा साझा की। श्री जैन ने बताया कि राष्ट्रीय नेतृत्व

4800 किसानों के मिले थे जॉइंट बैंक अकाउंट, फर्जीवाड़ा रोकने अब सिंगल अकाउंट खुलवा रहा विभाग

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में फर्जीवाड़ा उजागर होने के बाद रायपुर जिले से पंजीकृत जॉइंट बैंक अकाउंट वाले किसानों के सिंगल एकाउंट खुलवाए जा रहे हैं। इसके तहत जिले में जॉइंट अकाउंट खुलवाने वाले किसान पुराना अकाउंट बंद कराकर अपने-अपने व्यक्तिगत नाम पर सिंगल अकाउंट खुलवा रहे हैं। विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार, जिले में जांच के दौरान कुल 11 हजार से अधिक संदिग्ध किसानों का पता लगाया, जिनमें 4800 किसान ऐसे मिले थे, जिनके जॉइंट बैंक अकाउंट हैं। इन सभी किसानों को विभाग द्वारा योजना का लाभ लेने के लिए सिंगल अकाउंट खोलने के निर्देश दिए गए हैं।

सूत्रों से पता चला है कि इसके तहत लगभग 4 हजार किसानों ने जॉइंट अकाउंट बंद कराकर सिंगल अकाउंट खुलवा लिए हैं।

रायपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में पूर्व में पीएम सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को दिए जाने वाले लाभ में फर्जीवाड़ा उजागर हो चुका है। रायपुर जिले में भी इस योजना के तहत बड़ी संख्या में अपात्र तथा मृत सैकड़ों किसानों के अकाउंट में राशि ट्रांसफर की जा रही थी। कृषि विभाग द्वारा की गई जांच एवं भौतिक सत्यापन में जिले में 11 हजार से अधिक संदिग्ध किसानों का पता

डेढ़ साल में एक लाख घरों में लगे सोलर पैनल

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

प्रदेश में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में करीब डेढ़ साल में एक लाख घरों में सोलर पैनल लग गए हैं। अब सात माह में हो चार लाख सोलर पैनल लगाने की बड़ी चुनौती छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के पास है। मार्च 2027 तक प्रदेश में पांच लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर योजना के लिए अलग-अलग राज्यों का अलग-अलग लक्ष्य तय है। अपने प्रदेश के लिए दो साल में पांच लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रारंभ में योजना में आवेदन करने की रफ्तार के साथ सोलर पैनल लगाने की रफ्तार भी धीमी रही है। इसके बाद इस मामले में प्रदेश सरकार ने गंभीरता दिखाई और योजना बनाकर काम प्रारंभ किया गया। योजना में उपभोक्ताओं की रूचि लाने के लिए प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार के साथ ही राज्य सरकार की तरफ से भी सब्सिडी देने का काम प्रारंभ किया है। जहां तीन किलोवाट पर केंद्र सरकार की 78 हजार की सब्सिडी मिल रही है, वहीं राज्य सरकार भी 30 हजार की सब्सिडी दे रही है। एकराव दो किलोवाट पर केंद्र के साथ राज्य सरकार की सब्सिडी मिल रही है।

शराब घोटाले की रकम से खरीदे गए होटल की कुर्की कार्रवाई खिलाफ याचिका खारिज

ईंडी का दावा घोटाले की रकम से खरीदा होटल

ईंडी की जांच में दावा किया है कि छत्तीसगढ़ शराब सिंडिकेट के जरिए जुटाई गई अवैध कमाई में से करीब 110 करोड़ रुपए कैश के रूप में याचिकाकर्ता डॉ. राहुल अग्रवाल के चाचा और दुर्ग निवासी विजय कुमार अग्रवाल तक पहुंचाए गए थे। जांच एजेंसी के अनुसार इसी रकम का इस्तेमाल राहुल अग्रवाल ने गोवा में वेस्टिन होटल खरीदने में किया। होटल का सौदा मेसर्स सर बायोटेक इंडिया लिमिटेड से हुआ था। ईंडी के अनुसार सौदे में 50 करोड़ रुपए बैंकिंग चैनल के जरिए रजिस्टर्ड सेल डीड के तहत दिए गए, बाकी 60 करोड़ रुपए का भुगतान कैश किया गया था। ईंडी की ओर से जांच का ब्यौरा देते हुए बताया गया कि शराब सिंडिकेट के मुख्य कैश डिस्ट्रीब्यूटर लक्ष्मीनारायण उर्फ पप्पू बंसल और प्रवीर कुमार शर्मा के बयानों से 110 करोड़ रुपए कैश विजय अग्रवाल तक पहुंचाए जाने की पुष्टि हुई है। ईंडी के मुताबिक राहुल अग्रवाल ने पीएमएलए की धारा 50 के तहत दर्ज अपने बयान में स्वीकार किया कि दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कालोनी स्थित उनके आवास पर 8-10 किशतों में 60 करोड़ रुपए नकद दिए गए थे। जांच एजेंसी ने यह भी बताया कि विक्रेता कंपनी को ओर से नकदी लेने वाले विशाल सक्सेना को बाद में होटल कंपनी की डायरेक्टर नियुक्त किया गया। ईंडी के अनुसार यह मनी लॉनड्रिंग के तीसरे चरण यानी इंटीग्रेशन का संकेत है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का छत्तीसगढ़ से गहरा नाता रहा है

सीएम साय बोले- केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं



द्वारा 13 प्रमुख कार्यक्रम तय किए गए हैं, जिनका आयोजन बृथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन भाजपा प्रदेश मंत्री हर्षिता पांडेय ने किया एवं आभार प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही ने किया। कार्यशाला में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, डॉ. नवीन मार्कण्डेय सहित प्रदेश सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, जिलाध्यक्ष एवं भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

मासूम बच्चों के सामने महिला को बंधक बनाकर रेप, चाकू से जानलेवा हमला, उम्रकैद के साथ एक लाख जुर्माना भी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

तिल्वा थाना क्षेत्र में पांच वर्ष पूर्व महिला पर चाकू से जानलेवा हमला कर उनके दो मासूम बच्चों के सामने उसके साथ रेप करने के आरोपी को कोर्ट ने आरोपी को अपने शेष प्राकृतिक जीवनकाल के लिए आजीवन उपक़ैद तथा एक लाख जुर्माने की सजा सुनाई है। प्रकरण की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश विनय कुमार प्रधान का फास्ट ट्रैक कोर्ट में हुई है। अतिरिक्त लोक अभियोजक विजयश्री बिसेन के अनुसार कोर्ट ने बेमेतरा, नांदघाट निवासी बालकृष्ण जांगड़े को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। आरोपी ने 15 मार्च 2021 को पेशे से शिक्षिका 37 वर्षीय महिला के साथ रेप की घटना को अंजाम दिया था। महिला ने कोर्ट में दिए अपने बयान में बताया कि घटना दिनांक को उनके पति, जो पेशे से कृषि विस्तार अधिकारी हैं, सुबह 10 बजे ड्यूटी करने के लिए चले गए। इसके बाद 11.45 बजे आरोपी उनके घर पहुंचा और शादी का कार्ड देने का झंझा देकर बंधक बनाकर महिला पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर मुंह पर टेप चिपकाकर रेप किया। घटना के समय महिला के दो मासूम बेटे भी घर पर ही थे। आरोपी महिला पर आरोपी ने जब चाकू से हमला किया, तब मासूम बच्चे आरोपी से अपनी मां को नहीं मारने गुहार लगाते रहे। महिला के शोर मचाने पर आरोपी उसके मुंह में टेप चिपका दिया और बच्चों के सामने ही महिला के साथ रेप करता रहा। महिला के विरोध करने पर आरोपी ने बच्चों की हत्या करने की धमकी दी। रेप करने के बाद आरोपी महिला को बेहोशी की हालत में दूसरे कमरे में घसीटते हुए ले गया और उसके ऊपर सिलाई मशीन को पटककर उसे मरा हुआ समझकर मौके से फरार हो गया था।

थाना परिसर के वाटर कूलर में करंट, पानी भरने गए युवक की मौत, बचाने दौड़ा आरक्षक घायल

घायल आरक्षक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, घटना शनिवार तड़के सुबह 7.30 बजे की

छिटककर दूर जा गिरा। पुलिस के अनुसार घटना के समय बारिश हो रही थी। रमेश रनकोट पहने हुआ था। शरीर पूरी तरह से पानी से भीगा हुआ था। इस कारण रमेश को करंट का तेज झटका लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। युवक की जहां मौत हुई, वह जगह गीली थी, इस कारण बचाने पहुंचा आरक्षक भी करंट की चपेट में आ गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। सीएसईबी के अधिकारी और कर्मचारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और वाटर कूलर सहित विद्युत कनेक्शन की जांच शुरू की। करंट फैलने की वजह और वाटर कूलर में विद्युत प्रवाह की स्थिति कैसे बनी, इसकी जांच की जा रही है। थाना परिसर में जो वाटर कूलर

याचिकाकर्ताओं ने 60 करोड़ को वैध बताया

हाईकोर्ट में याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि होटल खरीदी में इस्तेमाल किए गए 60 करोड़ रुपए पूरी तरह से वैध कारोबार से हुईं आय थीं। उन्होंने इनकम टैक्स अपीलेंट ट्रिब्यूनल के आदेशों का हवाला देते हुए कहा कि आयकर विभाग ने जांच के बाद इस रकम के स्रोत को वैध व्यावसायिक कैश माना था और इसे अधोषिप्त आय की श्रेणी से बाहर कर दिया था। याचिकाकर्ताओं ने यह भी बताया कि 1 मई 2019 को हुए पारिवारिक समझौते के तहत विजय अग्रवाल कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे चुके थे। इसके बाद उनका होटल परियोजना से कोई संबंध नहीं रहा। उनका दावा है कि विजय अग्रवाल का छत्तीसगढ़ के शराब कारोबार से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कभी कोई संबंध नहीं रहा और वे मूल फैकआईआर या चार्जशीट में भी आरोपी नहीं हैं।

विशेष: जन्माष्टमी, 4 सितंबर

हमारे आराध्य-पथप्रदर्शक

पूर्णावतार श्रीकृष्ण

जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नहीं, एक स्मरण है कि कान्हा की हर लीला, हर प्रसंग हमें आचरण के वो पाठ सिखाते हैं, जो आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके युग में थे। यही वजह है कि युगों बाद भी पूर्णावतार श्रीकृष्ण हमारे लिए आराध्य भगवान ही नहीं, शिक्षक की तरह जीवन के पथप्रदर्शक भी बने हुए हैं।

आवरण कथा

यागिनी रामपल्लीवार

भगवान श्रीकृष्ण को हम पूजते हैं, यह सत्य है। मंदिरों में उनकी प्रतिमा सजती है, जन्माष्टमी पर घर-घर दीप जलते हैं और भजनों में उनका नाम गूंजता है। पर यदि कृष्ण केवल पूजा तक सीमित रह जाएं, तो शायद हमने उन्हें आधा ही जाना। उनका अवतारी जीवन कोई कथा-मात्र नहीं, बल्कि ऐसा दर्पण है, जिसमें झांकर हम अपने आचरण को तारा सकते हैं। वे केवल आराध्य नहीं, आचार्य सदृश पथप्रदर्शक भी हैं। आज की दुनिया में हमारे सामने कुरुक्षेत्र जैसा कोई युद्ध नहीं है, फिर भी हमारे भीतर न जाने कितने युद्ध चल रहे हैं! रिश्तों में अविश्वास है, सफलता की होड़ है, अकेलापन है, विफल होने का डर है और हर समय दूसरों से अपनी तुलना करते रहने की बेचैनी है। ऐसे समय में श्रीकृष्ण को केवल मंदिर में पूजने की नहीं, उनके गुणों को आत्मसात करने की भी जरूरत है।

सच्ची मित्रता की मिसाल: सुदामा और श्रीकृष्ण की मित्रता आज भी मित्रता का सबसे सुंदर उदाहरण है। एक ओर द्वारिकाधीश, दूसरी ओर अभाव में जीवन बिताता उनका बालसखा। जब सुदामा संकोच में लिपटे, साधारण वस्त्र पहने और मुड़ी भर चिचड़ा लेकर द्वारका पहुंचे, तो श्रीकृष्ण ने अपने मित्र को राजसी औपचारिकताओं के पीछे नहीं छिपने दिया। वे आगे बढ़े, उन्हें गले लगाया और उनके लिए छोटे-से उपहार को उसी प्रेम से स्वीकार किया, जैसे वह कोई अनमोल भेंट हो। न वहां धन का भेद था, न पद का अहंकार। सच्ची मित्रता समय और परिस्थिति की मोहताज नहीं होती। वह यह नहीं पूछती कि आज तुम कितने सफल हो, बल्कि यह याद रखती है कि तुम कौन भूँ में अपने थे। आज जब दोस्ती भी कई बार सुविधा, हैसियत और सामाजिक दायरे से तय होती है, श्रीकृष्ण का जीवन एक सवाल करता है कि क्या हमारे पास ऐसा मित्र है, जिसके सामने हमें अपनी सफलता साबित करने की जरूरत नहीं पड़ती? और क्या हम किसी के लिए ऐसे मित्र हैं?

मित्रता का दूसरा रूप भी: अर्जुन के साथ श्रीकृष्ण की मित्रता इसका दूसरा रूप दिखाती है। यहां वह मित्र भी हैं, सारथी भी और

मार्गदर्शक भी। कुरुक्षेत्र में अर्जुन मोह और दुविधा से घिर गए। श्रीकृष्ण ने उनकी जगह निर्णय नहीं लिया। उन्होंने उनके भीतर के भ्रम को समझा, प्रश्नों का उत्तर दिया और अंततः निर्णय लेने की शक्ति अर्जुन के भीतर ही जगाई। आज के जीवन में भी सच्चा मित्र वही है, जो केवल हमारी हां में हां न मिलाए। जब हम भ्रमित हों, तब सही बात कहने का साहस रखे और फिर निर्णय लेने की स्वतंत्रता भी हमें दे।

स्त्री सम्मान के रक्षक: द्रौपदी के अपमान का प्रसंग महाभारत का सबसे पीड़ादायक प्रसंग है। भरी सभा में जब उसकी गरिमा पर आघात हुआ और वह असहाय होकर सहायता की पुकार करती रही, तब श्रीकृष्ण उसके भरोसे का केंद्र बने। पर इस प्रसंग की सबसे बड़ी सीख केवल चमत्कार में नहीं, उस प्रश्न में है जो हमसे पूछता है कि जब किसी स्त्री के सम्मान पर आंच आए, तब हम कहां खड़े होते हैं?

श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि सामर्थ्य का अर्थ केवल स्वयं को सुरक्षित रखना नहीं, बल्कि जरूरत के समय किसी दूसरे की गरिमा की रक्षा के लिए खड़ा होना भी है। आज स्त्री-सम्मान की बातें बहुत होती हैं। लेकिन सम्मान केवल अच्छे-बड़े शब्दों से नहीं आता। वह हमारे व्यवहार, हमारी दृष्टि और उस समय लिए गए निर्णयों में दिखाई देता है, जब किसी के साथ अन्याय हो रहा हो। श्रीकृष्ण का यह रूप हमें संवेदनशील होने के साथ साहसी होना भी सिखाता है।

समर्थ होकर भी विनम्र: श्रीकृष्ण के पास अपार सामर्थ्य था, फिर भी उन्होंने महाभारत के युद्ध में शस्त्र न उठाने का निर्णय लिया और अर्जुन के सारथी बने। एक योद्धा का सारथी बनना किसी शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अपनी भूमिका को अहंकार से ऊपर रखने का उदाहरण था। आज की दुनिया में सफलता के साथ अहंकार बर्णित आसानी से चला आता है। पद बदलता है तो व्यवहार बदल जाता है, कमाई बढ़ती है तो पुराने रिश्ते छोटे लगने लगते हैं। श्रीकृष्ण इसके ठीक उल्ट खड़े दिखाई देते हैं। वे सिखाते हैं कि ऊंचाई का असली अर्थ ऊपर उठना नहीं, ऊपर उठकर भी सहज बने रहना है।

हर परिस्थिति में संतुलन: श्रीकृष्ण का जीवन संघर्षों से भरा था। जन्म कारागार में हुआ, बाल्यकाल में अनेक संकट आए, मथुरा छोड़कर द्वारका बसानी पड़ी और अंततः अपने ही वंश के

हम कहां खड़े होते हैं?

श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि सामर्थ्य का अर्थ केवल स्वयं को सुरक्षित रखना नहीं, बल्कि जरूरत के समय किसी दूसरे की गरिमा की रक्षा के लिए खड़ा होना भी है। आज स्त्री-सम्मान की बातें बहुत होती हैं। लेकिन सम्मान केवल अच्छे-बड़े शब्दों से नहीं आता। वह हमारे व्यवहार, हमारी दृष्टि और उस समय लिए गए निर्णयों में दिखाई देता है, जब किसी के साथ अन्याय हो रहा हो। श्रीकृष्ण का यह रूप हमें संवेदनशील होने के साथ साहसी होना भी सिखाता है।

समर्थ होकर भी विनम्र: श्रीकृष्ण के पास अपार सामर्थ्य था, फिर भी उन्होंने महाभारत के युद्ध में शस्त्र न उठाने का निर्णय लिया और अर्जुन के सारथी बने। एक योद्धा का सारथी बनना किसी शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अपनी भूमिका को अहंकार से ऊपर रखने का उदाहरण था। आज की दुनिया में सफलता के साथ अहंकार बर्णित आसानी से चला आता है। पद बदलता है तो व्यवहार बदल जाता है, कमाई बढ़ती है तो पुराने रिश्ते छोटे लगने लगते हैं। श्रीकृष्ण इसके ठीक उल्ट खड़े दिखाई देते हैं। वे सिखाते हैं कि ऊंचाई का असली अर्थ ऊपर उठना नहीं, ऊपर उठकर भी सहज बने रहना है।

हर परिस्थिति में संतुलन: श्रीकृष्ण का जीवन संघर्षों से भरा था। जन्म कारागार में हुआ, बाल्यकाल में अनेक संकट आए, मथुरा छोड़कर द्वारका बसानी पड़ी और अंततः अपने ही वंश के

हम कहां खड़े होते हैं?

श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि सामर्थ्य का अर्थ केवल स्वयं को सुरक्षित रखना नहीं, बल्कि जरूरत के समय किसी दूसरे की गरिमा की रक्षा के लिए खड़ा होना भी है। आज स्त्री-सम्मान की बातें बहुत होती हैं। लेकिन सम्मान केवल अच्छे-बड़े शब्दों से नहीं आता। वह हमारे व्यवहार, हमारी दृष्टि और उस समय लिए गए निर्णयों में दिखाई देता है, जब किसी के साथ अन्याय हो रहा हो। श्रीकृष्ण का यह रूप हमें संवेदनशील होने के साथ साहसी होना भी सिखाता है।

समर्थ होकर भी विनम्र: श्रीकृष्ण के पास अपार सामर्थ्य था, फिर भी उन्होंने महाभारत के युद्ध में शस्त्र न उठाने का निर्णय लिया और अर्जुन के सारथी बने। एक योद्धा का सारथी बनना किसी शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अपनी भूमिका को अहंकार से ऊपर रखने का उदाहरण था। आज की दुनिया में सफलता के साथ अहंकार बर्णित आसानी से चला आता है। पद बदलता है तो व्यवहार बदल जाता है, कमाई बढ़ती है तो पुराने रिश्ते छोटे लगने लगते हैं। श्रीकृष्ण इसके ठीक उल्ट खड़े दिखाई देते हैं। वे सिखाते हैं कि ऊंचाई का असली अर्थ ऊपर उठना नहीं, ऊपर उठकर भी सहज बने रहना है।

हर परिस्थिति में संतुलन: श्रीकृष्ण का जीवन संघर्षों से भरा था। जन्म कारागार में हुआ, बाल्यकाल में अनेक संकट आए, मथुरा छोड़कर द्वारका बसानी पड़ी और अंततः अपने ही वंश के

विशेष: शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

मले ही आज दुनिया भर के हर विषय की जानकारी गूगल और एआई के जरिए एक क्लिक पर उपलब्ध है। लेकिन बेहतर मनुष्य बनने के लिए जरूरी सैद्धांतिक, नैतिक और व्यावहारिक ज्ञान शिक्षक ही हमें दे सकता है। तकनीकी क्रांति के दौर में भी शिक्षक की भूमिका कम नहीं हुई है।

गुरुकुल से गूगल-एआई तक

बरकरार है शिक्षक की महत्ता

बदलाव / लोकगित्र गौतम

एक समय था, जब ज्ञान प्राप्त करने का अर्थ किसी गुरु के सान्निध्य में बैठकर जीवन को समझना होता था। शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती थी बल्कि वह संस्कार, अनुशासन, विवेक और चरित्र निर्माण का माध्यम भी थी। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है, क्योंकि वह अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने वाला मार्गदर्शक होता है। लेकिन ये सब पुरानी बातें हैं। आज 21वीं सदी में दुनिया बदल चुकी है। ज्ञान हमारी हथेली पर मौजूद है। मोबाइल फोन में समा गया है। गूगल के माध्यम से हम मिनटों में ही सैकड़ों सवालों के उत्तर दे सकते हैं और अब तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बदैलत दुनिया के जटिल से जटिल सवाल का भी सेंकड़ों में उत्तर प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या तकनीक के इस युग में गुरु यानी शिक्षक की भूमिका बदल गई है या फिर उसका महत्व पहले से अधिक बढ़ गया है?

ज्ञान कम-जानकारियां बेशुमार: वास्तव में आज तकनीक ने ज्ञान तक हमारी पहुंच बेहद आसान कर दी है। पहले किसी विषय को समझने के लिए पुस्तकालयों की धूलभरी अलमारियां खंगालनी पड़ती थीं। जबकि आज दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के दुर्लभ व्याख्यान, शोधपत्र और पाठ्यक्रम महज कुछ क्लिक की दूरी पर उपलब्ध हैं। आज हम किसी भी विषय पर वीडियो देख सकते हैं, चाहे छात्र हों या न हों। वास्तव में इस परिवर्तन ने शिक्षा को बेहद लोकतांत्रिक बनाया है। अब गुणवत्तापूर्ण जानकारी केवल बड़े शहरों या प्रतिष्ठित संस्थानों तक सीमित नहीं है। लेकिन एक महत्वपूर्ण अंतर भी पैदा हुआ है। आज जानकारी और ज्ञान एक-दूसरे के पर्याय नहीं रहे। जानकारीयां सिर्फ तथ्यों का संग्रह है, जबकि ज्ञान उन तथ्यों को सही संदर्भ में समझने और उनका विवेकपूर्ण उपयोग करने का माध्यम है। गूगल यह बताता है कि कौनो निर्णय कैसे लिया जा सकता है? एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे सामने किसी विषय का सार प्रस्तुत कर सकती है। लेकिन वह हमें जीवन के अनुभव, संवेदना और

मानवीय मूल्यों का स्थान नहीं ले सकती। भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा: भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि शिक्षक केवल पाठ नहीं पढ़ाता बल्कि व्यक्तित्व का निर्माण भी करता है। महर्षि वेदव्यास, आचार्य चाणक्य, गुरु वशिष्ठ, गुरु द्रोणाचार्य से लेकर आधुनिक काल में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे अनेक शिक्षकों ने सिर्फ ज्ञान भर नहीं दिया बल्कि अपने शिष्यों में दृष्टि, आत्मविश्वास और उत्तरदायित्व का भाव भी विकसित किया है, जो किसी भी मशीन या सच इंजन के बस में नहीं है। बदल गई शिक्षक की भूमिका: आज के समय में शिक्षक की भूमिका काफी हद तक बदल गई है, लेकिन समाप्त नहीं हुई। पहले शिक्षक ज्ञान का मुख्य स्रोत होता था, अब वह सिर्फ ज्ञान का मार्गदर्शक बनता जा रहा है। पहले छात्र उत्तर जानने के लिए शिक्षक पर निर्भर थे, आज यह काम तो इंटरनेट भी कर देता है। लेकिन शिक्षक की पहचान करना, उसकी विश्वसनीयता को परखना, विभिन्न विचारों की तुलना करना और उनका विवेकपूर्ण उपयोग करना, अभी भी यह सब भूमिकाएं शिक्षक के पास ही हैं। आज शिक्षक की जिम्मेदारी केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं है बल्कि विद्यार्थियों से प्रश्न पूछने, तर्क करने और स्वतंत्र सोच विकसित करने की क्षमता भी पैदा करना है। और महत्वपूर्ण हो गई भूमिका: वास्तव में एआई या कोई भी तकनीक चाहे जितनी उन्नत हो, लेकिन है तो एक तकनीकी ही। यह शिक्षक को स्थानापन्न नहीं कर पाएगी। एआई के बावजूद शिक्षक का काम रचनात्मक उपयोग, पहले से कहीं ज्यादा जरूरी बना रहेगा। एआई के बावजूद शिक्षक का काम शिक्षा को अधिक रोचक बनाना बना रहेगा और एआई के बावजूद शिक्षक व्यक्तिगत और प्रभावी बना रहेगा, यानी एआई हर किसी को एक जैसी सहूलियत नहीं दे सकता। जो एआई के उपयोग में माहिर नहीं है, उन्हें अभी-भी ज्ञान, जानकारीयां और विश्लेषण के लिए शिक्षक की तरफ ही देखना होगा। शिक्षक दिवस के अवसर पर हमें यह भी समझना चाहिए कि गुरु का काम केवल सूचना देना भर नहीं होता। वह जीवन को दिशा देता है।

दोहे

राजेंद्र श्रीवास्तव

बरस रहे घनघोर

कल जाने क्या करूँ गन, इन मेघों से मोर।
आज मोर से ही यहाँ, बरस रहे घनघोर।।
बरसे मेघा अनवरत, भरे तलैया-ताल।
उड़े पवन के साथ फिर, बेचारे कंगाल।।
इस रिग़ज़िभ बरसात में, भीगी-भीगी मोर।
शरों में सड़कें धुल्लीं, दन में नाचे मोर।।
साँझ ढले सिर पर पड़ी, शीतल सुखद फुहार।
झन-झन-झन संकृत हुए, गन-वीणा के तार।।
पादस रितु में छा गए, गन पर घन भरपूर।
श्रीभग्नदंन वातक करें, स्वागत-नृत्य गपूर।।
सुनी पपीहा की कहीं, पिय-पिय करुण पुकार।
आस बंधाने आ गई, यह पावसी फुहार।।
गाठी की गनुहार पर, मेघ गया गन हार।
रुककर बरसाने लगा, प्यार और जल-थार।।

लघुकथाएं

जीवन सारथी

ओ हीरो !

मेरे पास जड़ों/जितनी पैरों के नाखून में फंसी मिट्टी।' (नाखून में फंसी मिट्टी) जैसी पंक्तियों में महसूस किया जा सकता है। किसानों की मनोव्यथा को इस पंक्ति में देखा जा सकता है, 'वह किसी मुलायम मिट्टी जितना भुरभुरा है/इस तरह कि बूने से टूट जाए' (इन दिनों किसान)। इसी तरह 'स्त्री का दुख' कविता की ये पंक्तियाँ हमें स्त्री जीवन की उस मार्मांतक पीड़ा की अनुभूति कराती हैं, जिसे प्रायः पुरुषों के द्वारा उपेक्षित ही किया जाता रहा है, 'कुछ दुख होते ही हैं ऐसे/जिसे कहा नहीं जाता/जुबान लाचार हो जाती है'।

संग्रह की अधिकांश कविताएँ हमारे समय की कुरूप छवियों को पूरी संवेदना के साथ सामने रखती हैं। *

किताब: नाखून में फंसी मिट्टी (कविता संग्रह), रचनाकार: शंकरानंद, मूल्य: 325 रुपए, प्रकाशक: सेतु प्रकाशन, नोएडा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान गूण

निष्करुण समय में

हम जिस समय-समाज में जी रहे हैं, वह एक बड़े वर्ग के लिए बहुत निर्मम और निष्करुण है। संतोष की बात है कि हाशिए पर निरंतर धकेले जा रहे ऐसे वर्ग को दबी-दबी ही सही कुछ आवाजें, कविताओं में यदा-कदा सुनाई पड़ जाती हैं। युवा कवि शंकरानंद के नए कविता संग्रह 'नाखून में फंसी मिट्टी' की कविताओं को भी इस नजरिए से देखा जा सकता है। इन कविताओं में जीवन की त्रासदियों को वे बहुत सशक्तता से व्यक्त करते हैं। मिसाल के तौर पर गांव से शहर में विस्थापन की बाध्यता के दर्द को 'मेरे साथ गांव/सिर्फ परिचय में कागज पर है/ बस उतनी ही हैं

देश के कोने-कोने का भरोसा

2 करोड़+ खुश आदम

आपके नानी की सी भैंसिल रेडर पर उपलब्ध। Available at: www.mushroomworld.com amazon! Flipkart

वज़न बढ़ाने में सहायक

मशरूम एवं 12+ जड़ी-बूटियाँ

10 दिनों में असर देखें

क्योंकि वज़न है, तो वज़नदारी है!

देश के कोने-कोने का भरोसा

2 करोड़+ खुश आदम

आपके नानी की सी भैंसिल रेडर पर उपलब्ध। Available at: www.mushroomworld.com amazon! Flipkart

वज़न बढ़ाने में सहायक

मशरूम एवं 12+ जड़ी-बूटियाँ

10 दिनों में असर देखें

क्योंकि वज़न है, तो वज़नदारी है!

Mushroom World Ayurved & Food Pvt. Ltd.

For Trade Enquiry - +91 888 922 3333

एजेंसी ►► नई दिल्ली

खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) ने सुप्रीम कोर्ट के 13 अगस्त 2026 के आदेश के अनुपालन में एक हलफनामा दाखिल किया है। इसमें पैकेटबंद खाद्य उत्पादों के सामने की तरफ लाल रंग के पट्टेज (रेड हेक्सागन) चेतावनी लेबल लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को यह बताना है कि किसी उत्पाद में चीनी, नमक या फैट की मात्रा अधिक है। प्रस्ताव के अनुसार पहले चरण में ऐसे उत्पादों पर चेतावनी लेबल लगाया जाएगा जिनमें एडेड फैट, एडेड शुगर और नमक में से दो या उससे अधिक तत्व तय सीमा से ज्यादा हों। ऐसे उत्पादों पर 'हाई फैट', 'हाई शुगर' और 'हाई साल्ट' जैसी चेतावनियां लिखी जाएंगी। वहीं अधिक मोठे पैय पदार्थों पर 'हाइली स्वीटेड बेवरेज' की चेतावनी लगाने का भी प्रस्ताव है।

पैकेट पर ज्यादा साफ दिखेगी चेतावनी

एफएसएसआई ने सुझाव दिया है कि पैकेट के सामने लिखी जाने वाली चेतावनी का फॉन्ट साइज पीछे दिए गए न्यूट्रिशन इंफॉर्मेशन टेबल के फॉन्ट से एक प्वाइंट बड़ा रखा जाए, ताकि उपभोक्ता इसे आसानी से पढ़ सके। पोषक तत्वों की सीमा तय करने के लिए आईसीएमआर-एनआईएन की 'डाइटरी गाइडेंस फॉर इंडियन्स2024' को आधार बनाया जाएगा।

एफएसएसआई ने सुप्रीम कोर्ट में दिया नया प्रस्ताव

यह है मामला

पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर साफ और आसान चेतावनी देने की मांग को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। अदालत ने 13 अगस्त 2026 कोएफएसएसआई से इस दिशा में उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी थी। अब एफएसएसआई ने अदालत को बताया है कि वह नियमों में संशोधन कर सही तरीके से फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी लेबल लागू करने की तैयारी कर रहा है। दूसरे चरण में ऐसे उत्पाद भी इस दायरे में लाए जा सकते हैं जिनमें किसी एक पोषक तत्व की मात्रा तय सीमा से अधिक हो।

ज्यादा शक्कर-तेल वाली खाने-पीने की चीजों पर लगेगी चेतावनी



देशभर में चल रही ताबड़तोड़ कार्रवाई : बताते चलें कि इन दिनोंएफएसएसआई और कई अन्य फूड रेगुलेटर्स खाने-पीने की चीजों के साथ हो रहे नियमों के उल्लंघन को लेकर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रहे हैं। इन कार्रवाई मेंएफएसएसआई और महाराष्ट्र, एफडीए द्वारा की जा रही कार्रवाई सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रही हैं।

पैकेट पर बनाया जाएगा लाल रंग का घटकोण

प्रस्ताव का उद्देश्य

सुप्रीम कोर्ट में दायर एक अनुपालन हलफनामे में एफएसएसआई ने कहा कि इस प्रस्ताव का उद्देश्य उपभोक्ताओं को उन खाद्य उत्पादों के बारे में आसानी से समझ में आने वाली चेतावनी देना है, जिनमें चिंताजनक बताने गए इन पोषक तत्वों की मात्रा ज्यादा है। हलफनामे में कहा गया है, 'आईसीएमआर-एनआईएन द्वारा जारी 'भारतीयों के लिए खानपान के दिशानिर्देश, 2024' के तहत तय सीमाओं के आधार पर, उन खाद्य उत्पादों के पैकेट के फ्रंट पर लाल रंग के बॉक्स में एक प्रमुख चेतावनी लेबल लगाने का प्रस्ताव है।

कुछ उत्पादों को मिलेगी छूट

प्रस्ताव में एकल-सामग्री वाले खाद्य पदार्थों को इस व्यवस्था से बाहर रखने की बात कही गई है। इसके अलावा घी, खाद्य तेल, नमक, चीनी, गुड़ और शहद जैसे उत्पादों को भी छूट देने का सुझाव दिया गया है क्योंकि इनमें संबंधित तत्व स्वाभाविक रूप से अधिक मात्रा में पाए जाते हैं।

एफएसएसआई को लगाई गई थी फटकार

इस मामले की सुनवाई करते हुए 13 अगस्त को जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों पर चेतावनी लेबल लगाने में देरी को लेकर फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया को कड़ी फटकार लगाई थी और पूछा था कि क्या सरकार 'नहीं चाहती कि देश के नागरिक स्वस्थ रहें।' सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने अनुपालन हलफनामे में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कहा कि उसने पैकेट के फ्रंट पर चित्र के साथ ज्यादा चीनी, ज्यादा फैट और ज्यादा नमक से जुड़ी हुई जानकारी देने का प्रस्ताव तैयार किया है।

खबर संक्षेप

सोनिया वोटर लिस्ट सितंबर में सुनवाई

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के मतदाता सूची में नाम



शामिल किए जाने के मामले में विशेष न्यायाधीश ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ दायर

पुनरीक्षण याचिका पर आदेश टाल दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 21 सितंबर को होगी। आरोप है कि सोनिया गांधी के भारतीय नागरिक बनने से पहले ही उनका नाम मतदाता सूची में शामिल कर लिया गया था। शिकायतकर्ता विकास त्रिपाठी ने सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी।

छात्र परिषद कार्यक्रम- ममता के खिलाफ किया गया केस दर्ज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामला 28 अगस्त को तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) के कार्यक्रम से जुड़ा है। आरोप है कि कोर्ट ने कार्यक्रम के लिए दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक का समय दिया था। लेकिन आयोजकों ने तय समय के बाद भी कार्यक्रम जारी रखा। शिकायत के मुताबिक, टीएमसी समर्थकों ने बैरिकेड हटाए, पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की की। कैथेड्रल रोड पर ट्रैफिक ब्लॉक किया। यह मामला टीएमसीपी के दो गुटों के कार्यक्रम की अनुमति से जुड़ा था।

जी-20 बैठक : अमेरिका पहुंचीं मंत्री सीतारमण

वाशिंगटन। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अमेरिका की छह



दिवसीय यात्रा पर पहुंचीं। इस दौरान वह जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगी और निवेश के अवसरों पर

चर्चा के लिए प्रमुख कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीओ) तथा कारोबारियों के साथ बैठकें करेंगी। सीतारमण कनाडा की तीन दिवसीय यात्रा के बाद बृहस्पतिवार को शिकागो के ओहारे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचीं। कनाडा में उन्होंने पहले 'भारत-कनाडा आर्थिक एवं वित्तीय संवाद' में भाग लिया था।

भारत से मिड़ने वाले चीनी जनरल पर गिरी गाज

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

भारत और चीन के बीच डोकलाम से लेकर गलवान तक तनाव के दौरान अहम सैन्य जिम्मेदारी संभालने वाले जनरल झाओ जोंगकी पर अब कार्रवाई हुई है। चीन ने उन्हें अपनी शीर्ष राजनीतिक सलाहकार संस्था से हटा दिया है। उनकी सदस्यता भी खत्म कर दी गई है। इसके अलावा एक अहम समिति की जिम्मेदारी भी उनसे छीन ली गई है। झाओ जोंगकी फरवरी 2016 में चीन की वेस्टर्न थिएटर कमांड के पहले कमांडर बने थे। यह चीन की सेना की ऐसी कमान है, जो तिब्बत, शिनजियांग और भारत से लगी सीमा के बड़े हिस्से में सैन्य

जिनपिंग ने सजी पटों से हटायी



गतिविधियों को देखती है। 2017 में डोकलाम में भारत और चीन की सेनाएं 72 दिनों तक आमने-सामने लड़ी थीं, यह विवाद तब शुरू हुआ, जब चीन ने ऐसे इलाके में सड़क बनाने की कोशिश की, जिस पर चीन और भूटान दोनों दावा करते हैं।

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर केंद्र सरकार और आरएसएस पर निशाना साधा। साथ ही, कांग्रेस सांसद ने मल्लिकार्जुन खड़गे की हल्द्वानी वाली जनसभा का जिक्र कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, 'राजस्थान में हमारे दलित सांसद एक मंदिर जाते हैं और बीजेपी नेता वहां 'शुद्धिकरण' की रस्म अदा करते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश और संविधान को समर्पित कर दिया है, हल्द्वानी के रामलीला मैदान में भाषण देने जाते हैं और वहां भी शुद्धिकरण की रस्म अदा की जाती है। ऐसा कौन करता है? ये बीजेपी और आरएसएस के लोग करते हैं। सिर्फ भाजपा और आरएसएस के सदस्य ही ऐसा करते हैं और यह एक अपराध है।' गांधी ने इसे अपराध बताया। उन्होंने कहा, 'भारत के संविधान के तहत, यह एक अपराध है, एक अपराधिक गतिविधि है।' शुद्धिकरण 'वास्तव में अस्पृश्यता का ही दूसरा नाम है। अस्पृश्यता को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया है, फिर भी बीजेपी सदस्य खुलेआम इसका पालन करते हैं। जब वे यह शुद्धिकरण करते हैं, तो वे प्रभावी रूप से यह कह रहे होते हैं कि दलितों को छुआ नहीं जाना चाहिए, दलित अपवित्र हैं और यह भारतीय संविधान के तहत एक अपराध है।'

31 को सुप्रीम कोर्ट करेगा जनहित याचिका पर सुनवाई

एजेंसी ►► नई दिल्ली

पेट्रोल में मिलाए जाने वाले इथेनॉल को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 31 अगस्त को अहम सुनवाई होने वाली है। याचिका में केंद्र और संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई है कि देश के हर पेट्रोल पंप पर पेट्रोल में मिले इथेनॉल की सटीक मात्रा की जानकारी अनिवार्य और एक समान तरीके से दी जाए।

सुप्रीम कोर्ट की 31 अगस्त की कॉज लिस्ट के मुताबिक, इस मामले की सुनवाई जस्टिस एमएम सुंदेशर और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ करेगी। नरेंद्र कुमार गोस्वामी की ओर से दायर याचिका में मांग की गई है कि पेट्रोल पंप के हर डिस्पेंसिंग नोजल पर साफ और आसानी से दिखाई देने वाला लेबल लगाया जाए। इसमें यह बताया जाए कि बेचे जा रहे पेट्रोल में कितने प्रतिशत इथेनॉल मिला हुआ है। याचिका में यह भी कहा गया है कि ग्राहकों को दिए जाने वाले हर म्यूल बिल पर भी इथेनॉल की मात्रा स्पष्ट रूप से लिखी जाए, ताकि उपभोक्ता को पेट्रोल खरीदते समय इसकी पूरी जानकारी मिल सके।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार और आरएसएस पर साधा निशाना



एफआईआर दर्ज करने की मांग

राहुल ने एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने कहा, 'यह कृत्य अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति अधिनियम का उल्लंघन है। फिर भी, कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसलिए, हम मांग करते हैं कि उत्तराखंड में यह शुद्धिकरण हटाने वाले को खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। प्रधानमंत्री हर जाति से संबंध रखने और पूरे भारत के प्रधानमंत्री होने का दावा करते हैं। हम चाहते हैं कि प्रधानमंत्री इन व्यक्तियों के खिलाफ अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज करने का आदेश दें। उत्तराखंड में खड़गे जी को न्याय दिलाया राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों का कर्तव्य है।'

हर दलित के लिए उठा रहे यह मुद्दा

गांधी ने कहा, 'अगर हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ऐसा किया जा सकता है, तो खुलेआम, बिना किसी झिझक के किया जा सकता है। सोचिए स्कूल में चार साल के बच्चे के साथ क्या हो रहा होगा। इसलिए, हम यह मुद्दा खड़गे जी के लिए उठा रहे हैं, जो हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। लेकिन हम इसे भारत के हर दलित व्यक्ति, हर महिला के लिए उठा रहे हैं। यह हमें स्वीकार नहीं है। और यह एक प्रतीक है, यह उनकी विचारधारा है और हमारी लड़ाई उनकी विचारधारा के खिलाफ है।'

मराठा आरक्षण : जरांगे ने फिर शुरू की भूख हड़ताल

मुंबई। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शनिवार को अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से पहले से स्विच 58 लाख कुनबी रिकॉर्ड के आधार पर मराठा समुदाय के लोगों को तुरंत जाति प्रमाणित जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि समुदाय सरकार को इस मामले में अब और समय नहीं देगा। जालना जिले के अंतरवाली सराठी गांव में पत्रकारों से बातचीत में जरांगे ने कहा कि यह उनका अंतिम आंदोलन होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर मराठा समुदाय के प्रति दुश्मनी रखने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उन्हें चुपचाप समर्थन दे रहे हैं। मनोज जरांगे ने जाति सत्यापन समिति को खत्म करने की भी मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि अगर सरकार आरक्षण से जुड़े सभी लंबित मुद्दों का समाधान नहीं करती है तो वह मुंबई में मुख्यमंत्री के सरकारी आवास 'वर्वा' की ओर मार्च करेंगे।



कौन सा इथेनॉल ब्लेंड सही?

याचिका में केंद्र से एक आधिकारिक और सार्वजनिक रूप से सर्व की जा सकने वाली व्हीकल-कम्पैटिबिलिटी डेटाबेस तैयार करने की मांग भी की गई है। इसमें वाहन निर्माता, मॉडल, इंजन के प्रकार और निर्माण वर्ष के आधार पर यह जानकारी उपलब्ध हो कि कौन सी गाड़ी किस इथेनॉल ब्लेंड के लिए उपयुक्त है। इससे वाहन मालिकों को यह समझने में मदद मिल सकेगी कि उनकी गाड़ी E20 या दूसरे इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के साथ कितनी अनुकूल है।

पुराने वाहनों के लिए भी ट्रांजिशन प्लान की मांग : याचिका में पुराने और E20 के साथ अनुकूल नहीं होने वाले वाहनों के लिए एक समयबद्ध और पारदर्शी ट्रांजिशन फ्रेमवर्क बनाने की मांग की गई है। इसमें जहा तकनीकी, आर्थिक और लॉजिस्टिक रूप से संभव हो, वहां कम इथेनॉल वाले पेट्रोल की उपलब्धता पर भी विचार करने की बात कही गई है।

रूस का यूक्रेन में भीषण हवाई हमला, 27 की मौत

एजेंसी ►► कीव

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध ने एक बार फिर भयानक रूप ले लिया है। यूक्रेन की राजधानी कीव के पास स्थित बुचा जिले पर शनिवार को हुए भीषण रूसी हवाई हमलों में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों

के मुताबिक, शनिवार को किए गए इस हमले से इलाके में भीषण आग भड़क उठी. स्थानीय क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख टिगुर एटाचेंको ने जानकारी दी कि आग इतनी तेजी से फैली कि इसने कई रिहायशी घरों और पास के एक रेस्तरां को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। भीषण आग लगने के बाद 380 से

अधिक लोगों का रेस्क्यू किया गया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बताया कि बुचा के मायला गांव में स्थित एक गोदाम पर हमला हुआ, जिसके बाद वहां कई शक्तिशाली धमाके हुए। इस हमले की जद में बुजुर्गों और दिव्यांगों का एक केयर होम भी आ गया।

कार्यालय नगर पंचायत वाइफनगर, जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

Email Id-cmowadrafanagar@rediffmail.com

क्रमांक/959/नो.वि./न.पं./2026	वाइफनगर, दिनांक 27/8/2026
// ई-प्रोचोरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना//	
एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रोचोरमेंट पद्धति द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है:-	
BID SUBMISSION START DATE	- 27.08.2026 TIME - 17:30
BID DUE DATE	- 16.09.2026 TIME - 17:30
PHYSICAL SUBMISSION DATE	- 18.09.2026 TIME - 14:00
BID OPEN DATE	- 21.09.2026 TIME - 15:00

S. No.	System Tender No.	Name Of Work	Estimated Cost (In Lacs)	Earnest Money Deposit	Time Period Of Completion
1	198387	1. Pipeline extension work from Sharda Bhagat house to Nareesh Pathari house at Ward No. 03 2. Pipeline extension work from Hanumanpuri Goswami house to Sanyog Patel house ar Ward No. 04 3. Pipeline extension work from C.C road to Sarju Goswami house at Ward No. 04 4. Pipeline extension work from Chandan Kushwaha house to Vijay Kushwaha house at Ward No. 10 5. Pipeline extension work from Chandravati house to Rajman Maurya house at Ward No. 11 6. Pipeline extension work from Shaanbhu house to Pribhram house at Ward No. 12 7. Pipeline extension work from Lalit Patel house to Chandradeep house in Ward No. 12 8. Pipeline extension work from Shivshankar Kushwaha house to Devidham at Ward No. 13 9. Pipeline extension work from Mangru house to Jagdish house via Michael house at Ward No. 05 10. Pipeline extension work from Tripathi house via Birbal house to Tibhali house at Ward No. 05 11. Pipeline extension work from Shyam Patwari house to Bansidas house at Ward No. 05 12. Pipeline extension work from Ujeet house to Vidyavati house at Ward No. 06	Rs 23.11	Rs. 17,400/-	06 Month
2	198398	Pipeline extension work from Tribhuvan Vishwakarma house to Surajdev house and Patraj house to Jagdhari house at Ward No. 15	Rs 19.91	Rs. 15,000/-	03 Month

सख्त भारत-रूसवश्व भारत निर्माण में योगदान दें।

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाइट <https://eproc.cgstate.gov.in> अथवा <http://uad.cg.gov.in> पर या कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत वाइफनगर
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

यूएस ओपन

सबालेंका के फॉर्म पर सवाल
खिताबी हैट्रिक पर नजर



एजेसी ►► न्यूयॉर्क

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका हाल की खराब फॉर्म के बावजूद रविवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सबालेंका पिछले कुछ टूर्नामेंटों में चौथे दौर से आगे भी नहीं बढ़ पाई हैं, जिसे देखते हुए वह सेरेना विलियम्स (2012-14) के बाद लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने के लिए शायद ही

तैयार दिखती हैं। लेकिन सबालेंका चिंतित नहीं लग रही हैं। वह तो विद्रोही लग रही हैं। जो लोग यह जानना चाहते थे कि उनके खेल में क्या खराबी है, उनके जवाब में उन्होंने कहा, 'शायद लोगों में ही कुछ खराबी है।'

सबालेंका लगातार तीसरा खिताब

सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यहां 2024 में फाइनल में जेसिका पेगुला को हराकर पहली बार खिताब जीता था। पिछले साल उन्होंने अर्मांडा अनिसिमोवा को हराकर अपने खिताब का बचाव किया था।

सबालेंका ने की थी साल की अच्छी शुरुआत

सबालेंका ने साल की अच्छी शुरुआत की। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में एलेना रायबाकिना से हारने के बाद उन्होंने इंडियन वेल्स और मियामी में लगातार दो हाई कोर्ट खिताब जीते। विंबलडन में चौथे दौर में नाओमी ओसाका से हारने के बावजूद माना जा रहा था कि वह जल्द ही अपनी पुरानी फॉर्म में लौट आएंगी, क्योंकि हाई कोर्ट उनकी पसंदीदा सतह रही है। लेकिन सबालेंका टोरंटो में चौथे दौर में एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा से हार गई और सिनसिनाटी में सारा बेजलेक ने उन्हें दोनों सेटों में बदल का फायदा नहीं उठाने दिया।

मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया : एरिना

सबालेंका ने कहा, वह दौर मेरे लिए अच्छा नहीं था। मैं अपना बचाव नहीं करना चाहती, लेकिन जाहिर है कि मैं उस दौर के बारे में बात नहीं करना चाहती। मैं कई चीजों से जुड़ा रही थी। उन्होंने कहा, 'मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया। ये कई सबक मुझे और भी ज्यादा मजबूत बनाएंगे और मैं और कड़ी मेहनत करूंगी। वापसी करना बस समय की बात है।'

राशिफल

	मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।
मेष	
	व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।
वृष	
	भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अवाचक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।
मिथुन	
	क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।
कर्क	
	नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारदाि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।
सिंह	
	धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।
कन्या	
	व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफ़लता मिलेगी।
तुला	
	क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।
वृश्चिक	
	पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
धनु	
	आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।
मकर	
	कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।
कुंभ	
	शैक्षिक कार्यों में मन लगता, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।
मीन	

अल्काराज की 4 महीने बाद वापसी, पुराने फॉर्म में लौटने की उम्मीद

एजेसी ►► नई दिल्ली

अपनी दाहिनी कलाई में लगी चोट के कारण चार महीने से अधिक समय तक खेल से बाहर रहने वाले कार्लोस अल्काराज को उम्मीद है कि वह अपनी पुरानी फॉर्म में लौट कर रविवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने में सफल रहेंगे। मौजूदा चैंपियन अल्काराज चोटिल होने के कारण फ्रेंच ओपन और विंबलडन में नहीं खेल पाए थे लेकिन उन्हें लगता है

कि वह वर्ष का अंतिम ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'आप कार्लिंटोस को उसी तरह खेलते हुए देखेंगे जैसे वह हमेशा खेलता आया है।'

मुझे प्रतिस्पर्धा की जरूरत : अल्काराज

अल्काराज ने कहा, 'मुझे प्रतिस्पर्धा की जरूरत है। मेरा और मेरी टीम का मानना है कि मैं पूरी तरह से तैयार हूं। वापसी का फैसला करना आसान नहीं था। मैंने इसके लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किया है।'



अल्काराज मौजूदा चैंपियन

अल्काराज मौजूदा चैंपियन हैं और लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हैं। एक साल पहले उन्होंने यानिक सिनर को हराकर नंबर एक रैंकिंग हासिल की थी। इस बार सिनर नहीं खेल रहे हैं। दाहिने घुटने में चोट के कारण उन्होंने नाम वापस ले लिया है। सिनर को अनुपस्थिति में अलेक्जेंडर ज्वेरेव शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। लेकिन सबकी निगाहें अल्काराज पर टिकी हैं, जिन्होंने इसी साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर अपना सातवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। अल्काराज का पहला मुकाबला रोमन सफिउलिन से होगा।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल : आज मौजूदा चैंपियन मध्य क्षेत्र का सामना पूर्वी क्षेत्र से

फाइनल की जंग शुरू, भिड़ेंगी
चार टीमों, दो का टूटेगा सपना

►► **बेंगलुरु।** मौजूदा चैंपियन मध्य क्षेत्र रविवार से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में आत्मविश्वास से भरी पूर्वी क्षेत्र का सामना करेगा जबकि उत्तर क्षेत्र और पिछले साल की उपविजेता दक्षिण क्षेत्र के बीच भी रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। उत्तर और पूर्व क्षेत्र की टीम क्वार्टर फाइनल में जीत हासिल करके आगे बढ़ी हैं जबकि मध्य और दक्षिणी क्षेत्र को सेमीफाइनल में सीधे प्रवेश मिला था। पूर्वी क्षेत्र ने क्वार्टर फाइनल में उत्तर पूर्वी क्षेत्र को करारी शिकस्त दी थी जबकि उत्तर क्षेत्र में पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ बाएं हाथ के स्पिंजर आबिद मुश्ताक की शानदार गेंदबाजी की बदौलत रोमांचक जीत हासिल की थी।



पाटीदार और तिलक को करनी होगी शानदार शुरुआत

लगातार दूसरे साल रजत पाटीदार की कप्तानी में खेल रहे मध्य क्षेत्र और तिलक वर्मा की अनुवाई वाली दक्षिण क्षेत्र को टूर्नामेंट में एक भी मैच न खेलने के बावजूद शानदार शुरुआत करनी होगी। मध्य क्षेत्र में पिछले साल ट्रॉफी जीतने वाली टीम के प्रमुख खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है। पाटीदार आईपीएल और एमपी टी20 लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद टूर्नामेंट में उतर रहे हैं, जबकि उप-कप्तान रिकू सिंह के रूप में उसके पास मध्य कम में एक और मजबूत खिलाड़ी है।

ईशान, सूर्यवंशी और ईश्वरन से बड़ी पारी की उम्मीद

क्वार्टरफाइनल में पूर्व क्षेत्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर पूर्वी क्षेत्र को पारी और 210 रन से करारी शिकस्त दी थी। इस मैच में बंगाल के सुदीप घराभी और शाहबाज अहमद ने शतक जड़े थे। कप्तान ईशान किशन, युवा सनराजी सूर्यवंशी और अनुभवी अभिमन्यु ईश्वरन भी इस मैच में बड़ी पारियां खेलने की कोशिश करेंगे। शाहबाज ने चार विकेट लेकर गेंदबाजी में भी अहम योगदान दिया था। उनके अलावा अनुकूल रॉय ने दूसरी पारी में पांच विकेट लिए और अर्जुजित सरकार ने मैच में छह विकेट हासिल किए।

आज से महिला टी20 एशिया कप, तीन बार जीता खिताब

भारत का रण शुरू, थाईलैंड के खिलाफ दबदबे की वापसी

एजेसी ►► दुबई

ऐसे समय में जबकि टीम की फॉर्म और निरंतरता पर सवाल उठ रहे हैं तब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम रविवार को महिला टी20 एशिया कप ग्रुप ए के अपने पहले मैच में थाईलैंड के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके अपने अभियान की शानदार शुरुआत करना चाहेगी।

पिछले एक दशक में महिला टी20 एशिया कप में भारत सबसे दबदबा बनाने वाली टीम रही है। उसने 2016-17 से इस टूर्नामेंट के टी20 प्रारूप के पांच संस्करणों में तीन बार खिताब जीता है लेकिन हाल में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है।



चोट के कारण जेमिमा बाहर

एशिया कप और एशियाई खेलों के लिए भरोसेमंद बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स के बाहर होने के बाद भारत ने अपनी टीम में प्रतिका रावल को शामिल किया है, लेकिन टीम को मध्य क्रम में जेमिमा की कमी खलेगी। भारत के पास स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के रूप में मजबूत सलामी जोड़ी है लेकिन तीसरे नंबर और उसके बाद के बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती लय को बनाए रखना और स्कोरबोर्ड को गति प्रदान करना होगा।

खराब फील्डिंग चिंता का विषय

पिछली बार जब भारत इस प्रारूप में खेला था तब खराब फील्डिंग बड़ी चिंता का विषय था। भारतीय खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े, जो उसकी हार का प्रमुख कारण भी रहा।

शब्द पहेली - 6332

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

28

29

30

1. हाईकमान-5

4. बुशर्ट,शर्ट-3

6. लाख,गोंद-2

7. प्रतिज्ञा-3

8. मां का भाई-2

10. धनवान,रईस-3

11. मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4

14. जिज्ञासा,उत्साह-3

16. अनगिनत-2

17. वर्ष,बरस-4

18. लय,स्वर-2

19. गदर,बलवा-4

21. ईश्वर्य-3

22. गरुड,घमंड-4

24. राजा,सम्राट-3

25. पानी से सराबोर-2

27. व्यर्थ,फिजूल-3

28. चतुर्थ,चौथा-2

29. बहने का धाव-3

30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. आरामदायी-5

2. एक अनमोल रत्न,दुलारा-2

3. सेवा शुल्क-4

4. अभिव्यक्ति-3

5. बचत,जोड़-2

7. वहम-2

9. स्वामी-3

12. प्रवेश-3

13. भरोहर,थाती-4

15. तरंग,हिलोरे-3

16. निरकुश,मुंहजोर-4

17. किनारा,तट

18. कामधेनू,सुगंध-3

20. नुकसानदेह-5

21. दुनिया,जग-3

22. कहासुनी-4

23. चयन-3

24. वृष्टान,शिला

(अंग्रेजी-2)

26. ईश्वर,भगवान-2

28. प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली - 6331 का हल

ब

व

न

वा

ज

आ

स

का

न

न

बी

र

ल

बा

रा

र

का

ब

न

म

ज

म

बी

र

का

ज

म

ना

ह

त

ता

क

त

न

मा

के

ल

मे

गा

न

म

र

से

त

फ

द

का

र

म

न

र

ग

स

ग

रे

म

स

ब

इ

ता

म

का

री

क

न

क

श

र

न

का

र

र

ता

र

रा

रा

म

का

म

का

न

ब

प

थ

र

न

म

का

र

सूडीकु नवताल - 6342

5

8

3

7

3

5

6

8

5

4

2

1

8

6

3

7

9

1

8

5

3

6

7

9

5

3

1

7

3

9

1

8

5

2

6

4

सूडीकु नवताल - 6341 का हल

9

4

8

7

5

1

6

2

3

3

7

5

6

4

2

1

8

9

6

2

1

3

9

8

4

7

5

4

1

3

8

6

7

9

5

2

5

8

6

9

2

4

3

1

7

2

9

7

5

1

3

8

4

6

8

6

4

2

7

9

5

3

1

7

3

9

1

8

5

2

6

4

1

5

2

4

3

6

7

9

8

MANGAL SENAPCHA, BANGALORE

वजन सिर्फ 100 ग्राम और 16 फीट की छलांग, नुकीले दांतों से निकालकर पीता है पेड़ों का जूस

प्रकृति बेहद अנוखी है और इसमें पाए जाने वाले सभी जीव-जंतु भी अपने आप में खास हैं। आज हम आपको दुनिया के सबसे छोटे बंदर से मिलवाएंगे, जिसका आकार इतना छोटा है कि वह आपकी हथेली में भी समा सकता है। इस बंदर का नाम पिग्मी मार्मोसेट है, जो दक्षिण अमेरिका के घने वर्षावनों में पाया जाता है।

इस बंदर का वजन महज 100 से 125 ग्राम के बीच होता है और इनकी लंबाई सिर्फ 2 से 15 सेंटीमीटर होती है। यह प्राइमेट पेरू, इक्वाडोर, कोलंबिया, बोलीविया और ब्राजील के नदी किनारे फैले अमेजन रेनफॉरेस्ट में पाया जाता है। नर और मादा का आकार लगभग एक समान होता है लेकिन मादा नर से थोड़ी भारी हो सकती हैं। पिग्मी मार्मोसेट का शरीर भूरे-सुनहरे रंग के बालों से भरा होता है और इसकी पीठ पर काली धारियां मौजूद होती हैं। इनके पूंछ लंबे होते हैं तो छलांग लगाते समय संतुलन बनाने में मददगार साबित होते हैं। यह पेड़ों की शाखाओं से 16 फीट लंबी छलांग लगा सकता है। भले ही यह जीव देखने में नाजुक लगे लेकिन इसके नुकीले पंजे इसे पेड़ की छाल को मजबूती से पकड़ने में सक्षम बनाते हैं।



दांतों से पेड़ों में छेदकर पीते हैं उसका रस

पिग्मी मार्मोसेट के नवजात बच्चे हल्के चमकीले पीले रंग के होते हैं। पैदा होने के एक महीने के अंदर ही इनका रंग व्यस्की जैसा हो जाता है। ये बंदर एक्सुडेटिवोर होते हैं और इनके आहार का 80 प्रतिशत हिस्सा पेड़ों का रस, गोंद और रेंजिन होता है। इनके नीचे के दांत लंबे और धारीदार होते हैं और ये पेड़ की छाल में छेद करके उसका रस निकालते हैं। इसके अलावा ये भुंग, टिड्डे, मकड़ियां, फल और फूल भी खाते हैं।

घुप में रहकर परिवार करता है बच्चों की देखभाल

ये प्राइमेट्स 2 से 9 सदस्यों के घुप में रहते हैं। इसमें एक कपल और उनके बच्चे होते हैं। प्राइमेट्स की दुनिया में यह बेहद दुर्लभ बात है कि इनमें आमतौर पर जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं और पूरा परिवार मिलकर उनके पालन-पोषण में मदद करता है। रात के समय ये बाज, साप और जंगली बिलियों जैसे शिकारियों से बचने के लिए पेड़ों के खोखले तनों या घनी लताओं में छिप जाते हैं। खतरा होने पर ये पूरी तरह स्थिर हो जाते हैं या समूह बनाकर तेज आवाज निकालते हैं।



कहीं जलमग्न हो गया पूरा का पूरा शहर

ये हैं दुनिया की सबसे खौफनाक बाढ़! बह गए शहर, लाखों की मौत

26 अगस्त 2026 को नेपाल में आई भीषण फ्लेश फ्लड ने एक बार फिर पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। नेपाल के रासुवा जिले में भोटेकोशी नदी के उफान ने टिमुरे और स्याफुबेसी इलाकों में भारी तबाही मचाई है, जिससे सैकड़ों लोगों की जान चली गई, हजारों लोग घायल व लापता हैं। हालांकि, अगर इतिहास के पन्नों को पलटा जाए, तो दुनिया ऐसे कई जलप्रलय देख चुकी है, जिनके सामने आधुनिक आपदाएं भी छोटी नजर आती हैं।

1938 में चीन की येलो रिवर की कृत्रिम तबाही
चीन-जापान युद्ध के दौरान चीनी सेना ने जापानी सैनिकों के आगे बढ़ने के रास्ते को रोकने के लिए खुद ही येलो रिवर के तटबंधों को तोड़ दिया था। इसका नतीजा यह हुआ कि पानी अनियंत्रित होकर लाखों लोगों के बीच फैल गया। अकाल, भुखमरी और जलभराव के चलते इस घटना में लगभग 5 लाख से 7 लाख लोगों की जान चली गई थी।



चीन की यांगत्जी और पीली नदी की बाढ़

यह आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में गिनी जाती है। साल 1931 में चीन की प्रमुख नदियां-यांगत्जी, हुआई और पीली नदी-एक साथ उफान पर आ गई थीं। इस आपदा में अकाल और गंभीर बीमारियों के कारण करीब 4.22 लाख से लेकर 40 लाख तक लोगों के मारे जाने का अनुमान लगाया जाता है। 1887 में आई चीन की येलो रिवर बाढ़ : चीन की पीली नदी के तटबंध अचानक टूट जाने के कारण पानी ने एक विशाल मैदानी इलाके को पलभर में अपनी आगोश में ले लिया था। ऐतिहासिक दस्तावेजों के मुताबिक, इस भयंकर बाढ़ में लगभग 9.3 लाख लोग मारे गए थे, जबकि कुछ रिपोर्टों में यह आंकड़ा 20 लाख तक भी पहुंचता है। 1975 में आई चीन की बनकियाओ डैम आपदा : 'टाइफून नीना' के कारण हुई रिकॉर्ड तोड़ बारिश से हेनान प्रांत का बनकियाओ बांध और आसपास के कई अन्य बांध भरभरकर टूट गए थे। पानी के तेज सैलाब ने निचले इलाकों को पूरी तरह तबाह कर दिया। इस आपदा में और उसके बाद फैली महामारी में कुल मिलाकर करीब 2.3 लाख लोगों की मौत हो गई थी।

यूरोप की समुद्री बाढ़

मध्यकालीन यूरोप के लिए 1099 साल एक भयानक सपने जैसा था। उत्तरी सागर में उठे भीषण समुद्री तूफानों ने नीदरलैंड्स और इंग्लैंड के तटीय क्षेत्रों को बुरी तरह तहस-नहस कर दिया। तूफानी लहरें तटबंधों को तोड़कर अंदर तक आ गईं, जिससे लगभग 1 लाख लोगों की आबादी काल के गाल में समा गई।

चीन की यांगत्जी नदी बाढ़

साल 1935 में चीन एक बार फिर यांगत्जी नदी के पानी ने रिहायशी इलाकों में प्रवेश कर भारी तबाही मचाई। बाढ़ के ठीक बाद खाने-पीने की चीजों की भारी किरलत हो गई और महामारियों ने पैर पसार लिए। इस आपदा में लगभग 1.45 लाख लोगों ने अपनी जान गंवाई थी।

1287 में उत्तरी यूरोप की सेंट लूसिया बाढ़

सेंट लूसिया के नाम से जानी जाने वाली इस समुद्री बाढ़ ने नीदरलैंड्स और जर्मनी के तटीय हिस्सों में भारी तबाही मचाई। तूफानी हवाओं और ऊंची उठती लहरों के कारण आए इस प्रलय में 50 हजार से 80 हजार के बीच लोग मारे गए थे।

बांग्लादेश की मानसूनी बाढ़

साल 1974 में बांग्लादेश में लगातार और भारी मानसूनी बारिश के कारण देश की नदियां उफान पर आ गईं, जिससे एक बहुत बड़ा भूभाग पानी में डूब गया। इस आपदा में 27,000 से लेकर षेड लाख तक लोगों के प्रभावित होने और मारे जाने का अनुमान है। इस आपदा ने कृषि और जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया था।

एफिल टॉवर की सीढ़ियों का एक हिस्सा 5 करोड़ में हुआ नीलाम

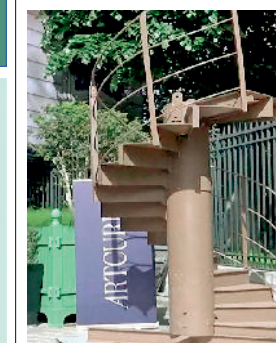
फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित एफिल टावर इस देश की पहचान है। लोहे से बने इस खूबसूरत टावर को देखने के लिए हर साल लाखों लोग पेरिस की ओर खिंचे हैं। ऐसे में जाहिर है कि इससे संबंधित हर एक वस्तु बेशकीमती ही होगी। यह

बात हाल ही में सच साबित हुई, जब एफिल टावर की सीढ़ियों के एक छोटे हिस्से की नीलामी हुई। यह हिस्सा 5 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की कीमत पर नीलाम हुआ है।

दशकों पहले इसी सीढ़ी से चढ़ते थे लोग : एफिल टावर का निर्माण 1889 के विश्व मेले के लिए किया गया था और ये सीढ़ियां भी उसी समय की हैं। इसकी नीलामी का आयोजन 'आर्टक्यूरियल पेरिस' नाम के नीलामीघर ने करवाया था। करीब 4 दशक पहले एफिल टावर पर लगी 526 फीट लंबी सीढ़ियों को कई छोटे-छोटे हिस्सों में काट दिया गया था और उनकी जगह लिफ्ट लगाई गई थीं। यह हिस्सा भी उन्हीं काटे गए हिस्सों में से एक है।

नीलाम होने वाले हिस्से में कुल 14 सीढ़ियां हैं, जिसकी लंबाई 9 फीट है। यह एक घुमावदार हिस्सा है, जो 1270.06 किलो का है।नीलामीघर ने उम्मीद लगाई थी कि यह हिस्सा करीब एक से 1.67 करोड़ रुपये के बीच बिक सकता है।

नीलाम होने वाले हिस्से में कुल 14 सीढ़ियां हैं, जिसकी लंबाई 9 फीट है। यह एक घुमावदार हिस्सा है, जो 1270.06 किलो का है।नीलामीघर ने उम्मीद लगाई थी कि यह हिस्सा करीब एक से 1.67 करोड़ रुपये के बीच बिक सकता है।



पेरिस ओलंपिक ने और बढ़ाई एफिल टावर की लोकप्रियता

नीलामीघर का कहना है कि 2024 में हुए पेरिस ओलंपिक के बाद शहर के स्मारकों की लोकप्रियता और बढ़ी है। नीलामीघर की आर्ट डेको डिजाइन निदेशक सबरीना डीला ने कहा, जब आप एफिल टावर का टुकड़ा खरीदते हैं तो आप पेरिस का एक टुकड़ा खरीद रहे होते हैं। साथ ही वह सारी कल्पना और प्रतीकवाद भी, जो यह दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, 'हम निश्चित रूप से एफिल टावर के प्रतीक और सीढ़ी अपील में नई रुचि देख रहे हैं।'

PRADIKSHA HERBAL
दर्द अनेक, उपचार एक!
प्रदिक्षा आर्यो ऑयल

घुटने का दर्द, साइटिका, गाढ़िया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन, जकड़न, आमवात, संधिवात और मोच में भी लाभदायक एक बार अवश्य आजमायें।
Customer Care - 9112637000, 9823286830

ओम हॉस्पिटल
स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग

- हार्ड रिस्क प्रेगनेंसी (गर्भावस्था संबंधित जटिलताओं का संभव सफलतापूर्वक इलाज)
- नार्मल एवं सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा
- बांझपन का इलाज
- बच्चेदानी एवं अंडेदानी संबंधित सभी बीमारियों का इलाज

9 महादेवघाट रोड, रायपुर चौक, रायपुर (छ.ग.) ☎ 8370008551
9 खरैया रोड़तिल्वा (छ.ग.) ☎ 9302734809
9 सरायपाली (छ.ग.) ☎ 8370008558
9 जगदलपुर (छ.ग.) ☎ 8435908123

वेहरे की चर्बी घटायें
वेहरे की झुर्रियां व चर्बी का वेजर द्वारा इलाज

ड.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

कालड़ा प्लास्टिक
कोस्मेटिक सर्जरी एवं बर्ब सेंटर

आर.के.सी.के. सामने, चौबे कालोनी एवं पंचपेदी नाका, धमलरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

BALCO Medical Centre
बालको मेडिकल सेंटर

मध्यभारत का अत्याधुनिक व विश्वसनीय कैंसर हॉस्पिटल

NABH व NABL से मान्यता प्राप्त

आयुष्मान भारत योजना से निःशुल्क ईलाज एवं सभी PSUs व बीमा कंपनियों से अनुबंधित

- सभी प्रकार की कैंसर सर्जरी (रोबोटिक/लेप्रोस्कोपिक).
- पेट, स्पैक्ट स्कैन, HDT, LDT थेरेपी
- कीमोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी
- रक्त-साबन्धी सभी बीमारियां एवं बोन मेरो ट्रांसप्लांट
- आधुनिक रेडियोलॉजी, लेबोरेटरी एवं ब्लड सेंटर
- अत्याधुनिक टू-बीम लिनक एवं हैल्सीऑन मशीन द्वारा रेडिएशन थेरेपी व ब्रैकिथेरेपी की सुविधा

वीएमसी सिटी कैंसर डेकेयर - कलर्स मॉल के बाजू, धमलरी रोड, रायपुर (छ.ग.) ☎ 9201966330
मेन हॉस्पिटल: सेक्टर 36, नया रायपुर, (छ.ग.) ☎ 8282823333/4444

आयुष्मान योजना से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मित्तल हॉस्पिटल रायपुर - भिलाई
Department of Radiation Oncology

VARIAN HALCYON RADIOTHERAPY (सिकाई)
के मरिजों के रहने की निःशुल्क व्यवस्था (80 बिस्तरों का मंगल भवन)

रायपुर: अवंति बाई चौक, पंडरी 9343079151, 91313 99570
भिलाई: टी.आई. मॉल के पास 7722880844, 0788-2294440

Dr. Punil Seth MBBS, MD
Dr. Jagdishwar Sonkar MBBS, MD
Dr. Anusheel Vashnik MBBS, MD

सुयश हॉस्पिटल
एडवांस यूरोलॉजी एवं यूरो सर्जरी विभाग

- मूत्राशय, किडनी एवं प्रोस्टेट के कैंसर का इलाज
- पेशाब की धार कमजोर होना
- पेशाब के रास्ते की जन्मजात विकृति का इलाज
- यूनिरी ब्लेड में पथरी की समस्या का इलाज
- किडनी स्टोन संबंधी समस्या का इलाज
- किडनी एवं मूत्र संबंधी सभी समस्याओं का निराकरण
- सभी प्रकार की यूरोलॉजी सर्जरी

24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुदियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

मस्तिष्क, रीढ़ एवं स्ट्रोक रोगों का विशेषज्ञ प्रबंधन, उन्नत न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी एवं इंटरवेंशनल स्ट्रोक केयर

डॉ. राहुल पाठक
MD, DM, FIMS
Neurology
इंटरवेंशनल न्यूरोलॉजिस्ट
7880004889

डॉ. सागर राठौर
MBBS, MS, MCh
न्यूरोसर्जन व स्पाइन सर्जन
7222956511

मस्तिष्क एवं तंत्रिका रोगों के लिए विशेषज्ञ सेवाएँ :

- ब्रेन स्ट्रोक (लकवा), ब्रेन हेमरेज, ब्रेन एन्जुरिज्म एवं ब्रेन ट्यूमर का विशेषज्ञ प्रबंधन
- ब्रेन एवं स्पाइन सर्जरी, मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जरी
- वीपी शंट, बर होल सर्जरी, बोर्टक्स थेरेपी एवं आईसीयू/क्रिटिकल केयर
- मिर्गी (एपिलेप्सी), पार्किंसन्स, हाथ-पैर में कंपन एवं डिमेंशिया का विशेषज्ञ प्रबंधन
- नसों की कमजोरी, झुनझुनी, सुनपन एवं अन्य न्यूरोपैथी का प्रबंधन
- स्लिप डिस्क, कमर-गर्दन का दर्द, रीढ़ की समस्याएँ एवं हाइड्रोसेफलस का प्रबंधन
- माइग्रेन, मिस्टर्द एवं चेहरे की नस का दर्द (Trigeminal Neuralgia) का प्रबंधन
- स्ट्रोक इंटरवेंशन, कैरेक्टिड एंजियोप्लास्टी एवं स्टेंटिंग, न्यूरोइंटरवेंशनल प्रक्रियाएँ

संजीवनी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल
Dawada Colony, Pachpedi Naka, Raipur, 7389905010, 7389904010

MushroomAD
Mushroom Soup Powder

हेल्थी बॉडी, कॉन्फिडेंस रेडी
लाखों ग्राहकों का विश्वास

भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला मशरूम उत्पाद

मशरूम के प्राकृतिक गुणों से भरपूर

- भूख व वजन बढ़ाने में सहायक
- दुबलेपन को दूर करने में सहायक
- प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक
- गैस तथा एसिडिटी के लिए भी लाभदायक
- ऊर्जावान बनाने व कॉन्फिडेंस बढ़ाने में सहायक
- कमजोरी हटाने व नया खुन बनाने में सहायक

सभी मेडिकल्स में उपलब्ध. For More details Trade Enquiry 9373556677, 9823286830
SS - पंकज भेंडीकर, बिलासपुर - 6261187686, नयाती एनबी, रायपुर - 7744032248, राजनगरवा - महेश एनबी-7800461624, ताराचंद चित्तानी। कं. - 8889669996